सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 229 | जौनपुर, गुरूवार, 16 मई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

उत्तर प्रदेश में 79 सीटें जीतेगी इंडिया गठबंधन – अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। लोकसभा चुनाव 2024 के बीच सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की. प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अखिलेश और मल्लिकार्जुन खड़गे ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला और कहा, श्बीजेपी के ताकतवर लोग हमारे लोगों को पर्चा भरने से रोक रहे हैं। वे चुनाव एजेंटों को डरा रहे हैं। हैदराबाद में बीजेपी उम्मीदवार बुर्का उठाए नजर आ रही हैं। ऐसे में डरा–धमका कर चुनाव कराया जा रहा है। हम मजबूती से लड़ रहे हैं। गठबंधन आगे है और बीजेपी पीछे है। हमने देश को बहुत कुछ दिया है। इस दौरान अखिलेश ने कहा कि मैं प्रेस के लोगों को 4 जून से शुरू होने वाले स्वर्णिम काल के लिए बधाई देना चाहता हूं, जो श्प्रेस की आजादीश का दिन होगा। बीजेपी अपने ही नेगेटिव नैरेटिव में उलझ गई है... उत्तर प्रदेश में 79 सीटें इंडिया गठबंधन जीतेगी। सिर्फ एक सीट श्क्वेटोश वाली पर लड़ाई है। आपको बता दें कि श्क्विटोश को लेकर अखिलेश ने पीएम नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी पर तंज कसा है। उन्होंने दावा किया कि चारों चरणों में बीजेपी की हार हो रही है, उनकी उल्टी गिनती शुरू हो गई है। पेपर लीक और बेरोजगारी पर बीजेपी के पास कोई जवाब नहीं है। उन्होंने निवेश, डिफेंस एक्सपो के नाम पर झूठे सपने दिखाए और जी–20 की बैठक में फर्जी चीजों का विज्ञापन किया।

बीजद के 25 वर्ष के शासन के दौरान ओडिशा को 50 साल पीछे धकेल दिया – शाह

ओडिशा, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ओडिशा में मतदाताओं से भाजपा को सरकार बनाने के लिए एक मौका देने का आग्रह करते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बीजू जनता दल (बीजद) के 25 वर्ष के शासन के दौरान राज्य को 50 साल पीछे धकेल दिया है। गंजाम में अस्का लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत सोरोदा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी दावा किया कि राज्य को निर्वाचित प्रतिनिधियों के बजाय ''बाहरी लोगों'' द्वारा चलाया जा रहा है। उन्होंने राज्य सरकार पर हमला करते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया भर में ओडिशा की प्रतिष्ठा बढ़ाई है...हालांकि, बीजद के 25 वर्ष के शासन में नवीन बाबू ने राज्य को 50 साल पीछे धकेल दिया।'' गृह मंत्री ने यह भी कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य में सत्ता में आती है तो वह ओडिशा में 'एक राष्ट्र एक राशन कार्ड' योजना लागू करेगी। शाह ने कहा, ''ओडिशा में सरकार बनने के छह दिन के भीतर हम पुरी जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की गायब चाबियों पर न्यायिक आयोग की रिपोर्ट सार्वजनिक करेंगे।'' उन्होंने भारत में आतंकवाद और नक्सलवाद को खत्म किया।

नकली शिवसेना, नकली राष्ट्रवादी पार्टी का कांग्रेस में विलय तय

नई दिल्ली, एजेसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस के लिए अल्पसंख्यक सिर्फ एक ही हैं, उसका अपना प्रिय वोट बैंक। मुझे याद है मैं उस समय सीएम था तब मैंने उसका पुरजोर विरोध किया था। कांग्रेस चाहती थी कि देश के सारे बजट का 15% सिर्फ मुसलमानों पर खर्च हो, तब भाजपा के जबरदस्त विरोध के बाद वे कामयाब नहीं हो पाए थे। कांग्रेस चाहती है कि बजटीय आवंटन का 15% धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए अनिवार्य हो। पहले, उन्होंने देश को धार्मिक आधार पर विभाजित किया, और अब वे फिर से विभाजन पैदा करने के लिए धर्म का उपयोग कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि बाबा साहब अम्बेडकर धर्म के आधार पर आरक्षण देने के खिलाफ थे। लेकिन अब कांग्रेस एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय का आरक्षण छीनकर अपने वोट बैंक को देना चाहती है। इंडी अलायंस को यह बिल्कुल स्पष्ट कर दें, मैं आपको बजट को विभाजित करने या धर्म के आधार पर आरक्षण प्रदान नहीं करने दूंगा। मोदी वंचित वर्ग के अधिकारों के संरक्षक हैं। आने वाले चुनाव में आपको ऐसा प्रधानमंत्री चुनना होगा जो निर्णायक रूप से बड़े फैसले ले सके। मोदी गरीबों को बिना किसी भेदभाव के मुफ्त राशन, नल का पानी, पक्के घर और गैस कनेक्शन उपलब्ध करा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह नकली शिवसेना, नकली राष्ट्रवादी पार्टी का कांग्रेस में विलय होना पक्का है। जब इस नकली शिवसेना का कांग्रेस में विलय हो जाएगा तब मुझे सबसे ज्यादा याद बाला साहेब ठाकरे की आएगी... यह जो विनाश हो रहा है यह बाला साहेब को सबसे ज्यादा दुखी करता होगा... नकली शिवसेना ने बाला साहब के हर सपने को चूर–चूर कर दिया है। बाला साहब ठाकरे का सपना था अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो... यह सपना पूरा हुआ लेकिन इससे सबसे ज्यादा चिढ़ नकली शिवसेना को हो रही है।

इस चुनाव में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन को बहुमत मिलेगा - जयराम रमेश

भुवनेश्वर, एजेसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पक्ष में कोई 'लहर' नहीं है, बल्कि उनकी भाषा में केवल 'जहर' है। कांग्रेस महासचिव रमेश ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 'निवर्तमान' प्रधानमंत्री की संकेत दे रही है कि वह 'चिंतित और भ्रमित' हैं। उन्होंने कहा, ''उनको (प्रधानमंत्री को) अहसास हो गया है कि किसान, मजदूर, महिला और अन्य पिछड़ा वर्ग उनसे निराश हैं। इसलिए वह हिंदू–मुस्लिम, मुस्लिम लीग, कांग्रेस को टेम्पो में भरकर दिया गया कालाधन और 'मंगलसूत्र' की बात करने लगे हैं।'' रमेश ने दावा किया, ''प्रधानमंत्री के पक्ष में जमीन पर कोई 'लहर'नहीं है बल्कि उनकी में केवल 'जहर' है। इससे पता चलता कि बदलाव का समय आ गया है।'' उन्होंने कहा कि पिछले चार चरण में 379 लोकसभा सीट के लिए चुनाव हो चुका है और यह स्पष्ट हो गया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दक्षिण में 'साफ' हो गई है और उत्तर, पश्चिम और पूर्वी भारत में 'हाफ' है।' कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि इस चुनाव में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन को बहुमत मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में कांग्रेस संविधान और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ रही है, क्योंकि 'धनतंत्र' देश में हावी हो गया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) और केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने कहा कि दोनों दल लोकसभा और ओडिशा विधानसभा में 'नकली लड़ाई' लड़ रहे है। रमेश ने कहा, ''प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री नूरा–कुश्ती कर रहे हैं। हालांकि, वास्तविकता यह है कि बीजद ने पिछले 10 साल में संसद में भाजपा का समर्थन किया है।'' उन्होंने कहा कि बीजद सांसदों ने 'किसान विरोधी, आदिवासी विरोधी और पर्यावरण विरोधी' विधेयकों का संसद के दोनों सदनों में समर्थन किया और यहां तक ओडिशा की सत्तारूढ़ पार्टी ने भाजपा प्रत्याशी अश्विनी वैष्णव को राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने में भी मदद की। रमेश ने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक पर निशाना साधते हुए कहा, ''क्या आपने दिल्ली में भाजपा का शत प्रतिशत समर्थन नहीं किया? क्या यह सच नहीं है कि बीजद ने वन अधिकार अधिनियम को कमजोर करने वाले विधेयक, वन संरक्षण अधिनियम में संशोधन, भूमि अधिग्रहण अधिनियम और श्रम संहिता का समर्थन किया था?

प्रधानमंत्री देश के सबसे बड़े मुद्दों जैसे महंगाई, बेरोजगारी और गरीबी पर चुप - तेजस्वी यादव

झारखंड, एजेसी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने महंगाई के मुद्दे पर केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के शासन के दौरान भाजपा के लिए मंहगाई ' डायन' हुआ करती थी लेकिन अब 'महबूबा' बन गई है। यादव ने भाजपा पर नफरत की राजनीति करने और हिंदू–मुस्लिम के नाम पर भेदभाव फैलाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने झारखंड के चतरा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, " जब संप्रग की सरकार के दौरान रसोई गैस सिलेंडर 400 रुपये था तब भाजपा मंहगाई को 'डायन' कहती थी, लेकिन जब एलपीजी सिलेंडर 1200 रुपये को पार कर गया है तो यह उसके लिए 'महबूबा' बन गई है।" बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सिर्फ हिंदू–मुस्लिम, मंदिर– मस्जिद, सनातन–इस्लाम की बात करते हैं, लेकिन वह देश के सबसे बड़े मुद्दों जैसे महंगाई, बेरोजगारी और गरीबी पर चुप हैं।" उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने हाल में झारखंड के चतरा का दौरा किया, लेकिन राज्य के विकास के बारे में एक भी शब्द नहीं बोला और न ही अगले पांच वर्ष में इसके विकास का कोई रूपरेखा बतायी। यादव ने भाजपा पर केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए कहा कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को एक साजिश के तहत सलाखों के पीछे भेजा गया। यादव ने कहा, उन्होंने (भाजपा ने) हमारे परिवार के खिलाफ ईडी, सीबीआई का भी इस्तेमाल किया, लेकिन हम एजेंसियों से डरने वाले नहीं हैं। चतरा लोकसभा सीट से 'इंडिया' गठबंधन के उम्मीदवार केएन त्रिपाठी के लिए वोट मांगते हुए उन्होंने कहा कि अगर विपक्षी गठबंधन सत्ता में आता है, तो एक करोड़ युवाओं को नौकरी दी जाएगी।

यह चुनाव देश के भविष्य को बनाने का चुनाव – खड़गे

रायबरेली, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में एक सार्वजनिक बैठक में बोलते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि लोगों को खाने के लिए भोजन नहीं मिल रहा है, नौकरियां नहीं मिल रही हैं, इसके बारे में कुछ करें। लेकिन उन्हें (पीएम मोदी) इसकी नहीं बल्कि सत्ता की चिंता है। श्जो सत्ता सोनिया गांधी ने ठुकरा दिया था, उस सत्ता पर इनकी आंखें हैंश। रायबरेली से राहुल गांधी चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जी रायबरेली के शेर हैं, गरीबों के लिए लड़ने वाले सिपाही हैं। रायबरेली को फिरोज गांधी जी से लेकर इंदिरा गांधी जी, सोनिया गांधी जी सभी ने संभाला है। अब राहुल जी संभाल रहे हैं। खड़गे ने कहा कि वे कहते हैं कि रायबरेली हमारी कर्मभूमि है, हम यहीं से लड़ेंगे और यहीं पर अपने लोगों का मार्गदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण चुनाव है। यह देश के भविष्य को बनाने का चुनाव है। इस देश के दलित, पिछड़े, आदिवासी, गरीब और किसानों को बचाने का चुनाव है। अगर इसमें कोई भूल हो गई तो देश में संविधान का राज बंद हो जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सोनिया गांधी ने सांसद निधि का 70% से अधिक अल्पसंख्यकों पर खर्च किया वाली टिप्पणी पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सांसद निधि में 5 करोड़ रुपये हैं. आपने (भाजपा) अमीरों का 16 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ कर दिया है और यहां अगर सड़कों के निर्माण पर 1 करोड़ रुपये खर्च किया जाता है, तो क्या यह बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी ने सबका ख्याल रखा है।

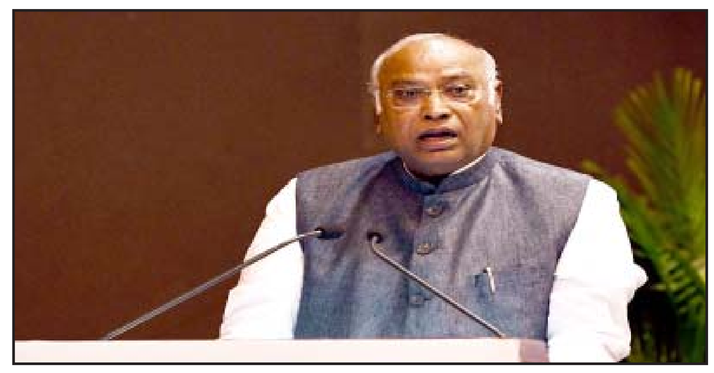

महा विकास आघाडी महाराष्ट्र में लोक सभा चुनाव में अधिकतम सीट जीतेगा

मुंबई एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने मंगलवार को दावा किया कि महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में अधिकतम सीट जीतेगा। ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र देश के उन शीर्ष पांच राज्यों में शामिल होगा जो केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने में योगदान देंगे। ठाकरे ने यह भी दावा किया कि शिवसेना में विभाजन के बाद, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट ने उनकी पार्टी को संदेश भेजा था कि उन्हें गद्दार के रूप में संबोधित न किया जाए। ठाकरे ने कहा, ''लेकिन, फिर गद्दार गद्दार ही होता है। ठाकरे ने एबीपी माझा कॉन्क्लेव में कहा, ''एमवीए अधिकतम सीटें जीतेगा और जब केंद्र में इंडिया गठबंधन सरकार बनाएगा, तो महाराष्ट्र उसमें सीट का योगदान देने वाले देश के शीर्ष पांच राज्यों में शामिल होगा। '' महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के साथ गठबंधन पर पूछे गए सवाल को ठाकरे टाल गए और दावा किया कि उन्होंने कभी किसी के खिलाफ व्यक्तिगत हमले नहीं किए। उन्होंने कहा, '' हमने कभी भी भाजपा को बिना शर्त समर्थन नहीं दिया। हमारी एक ही शर्त थी कि वह किसी भी कीमत पर महाराष्ट्र के स्वाभिमान की रक्षा करेंगे। '' मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरे कार्यकाल के लिए उन्हें बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की है।

बंगाल गर्वनर के खिलाफ यौन उत्पीड़न की नृत्यांगना की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट सौंपी

कोलकाता, एजेसी। कोलकाता पुलिस ने 2023 में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस के खिलाफ एक नृत्यांगना द्वारा दर्ज करायी गयी कथित यौन उत्पीड़न की शिकायत संबंधी अपनी जांच रिपोर्ट मंगलवार को राज्य सचिवालय को सौंप दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, ''हमने नबन्ना (राज्य सचिवालय) के आदेश पर प्रारंभिक जांच पूरी कर ली है। हमने इसे नबन्ना को सौंप दिया है। क लोकप्रिय शास्त्रीय नृत्यांगना ने बोस के खिलाफ कथित यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी। नृत्यांगना की शिकायत के अनुसार, वह पिछले साल जून में एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए नयी दिल्ली गई थीं और उस समय वह एक पंचसितारा होटल में रुकी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यपाल ने होटल में उसका यौन उत्पीड़न किया। अधिकारी ने कहा कि नृत्यांगना ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के अलावा नबन्ना से संपर्क किया और नबन्ना ने शिकायत के आधार पर कोलकाता पुलिस को प्रारंभिक जांच करने का निर्देश दिया। राजभवन में कार्यरत एक संविदा महिला कर्मचारी ने दो मई को बोस पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया था।

गीता की शाश्वत शिक्षाओं को मार्गदर्शक बनाएं – उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को नागरिकों से आग्रह किया कि वे देश के हितों को सर्वोपरि रखें और श्रीमद्भगवद् गीता की शाश्वत शिक्षाओं को अपना मार्गदर्शक बनाएं। धनखड़ ने अनिश्चितता के बीच एक मार्गदर्शक के रूप में गीता के कालातीत ज्ञान को रेखांकित करते हुए कहा कि गीता उन्नति, आध्यात्मिकता, धार्मिकता, अपने कर्तव्य के लिए प्रतिबद्धता का मार्ग दिखाती है। उन्होंने गीता पर लोकसभा के पूर्व महासचिव सुभाष कश्यप की टिप्पणी के विमोचन के अवसर पर एक कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने संविधान के भाग चार के तहत राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों पर ध्यान केंद्रित करते हुए श्रीमद्भगवद्गीता की उन शिक्षाओं की तुलना की, जब भगवान कृष्ण कुरुक्षेत्र के युद्ध के मैदान में अर्जुन को ज्ञान प्रदान करते हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, धनखड़ ने उस समय का जिक्र किया जब आईएमएफ (अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष) और विश्व बैंक जैसे वैश्विक निकाय राष्ट्रीय मामलों के संबंध में भारत पर दबाव डालते थे। धनखड़ ने बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत अब फ्रांस, ब्रिटेन, कनाडा एवं ब्राजील जैसी अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ते हुए पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थ व्यवस्था बन चुका है।

जब से केंद्र व प्रदेश भाजपा सरकार आई है, बुंदेलखंड चारों तरफ से योजनाओं से जुड़ चुका - सीएम योगी

उरई, संवाददाता। सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ भाजपा के प्रत्याशी भानू प्रताप वर्मा के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। यहां राजकीय इंटर कॉलेज में जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जब से केंद्र व प्रदेश भाजपा सरकार आई है। बुंदेलखंड चारों तरफ से योजनाओं से जुड़ चुका है, लेकिन पिछली सरकारों में अपराधियों के हवाले कर दिया गया था। लेकिन अब युवाओं को बुंदेलखंड से पलायन नहीं करना पड़ेगा, यह करिश्मा मोदी जी का है। 10 वर्ष के अंदर मोदी जी ने पूरे देश कायाकल्प कर दिया है। पिछली सरकार में भूख से मर रहे थे,

उन्हें इलाज नहीं मिल रहा था, लेकिन भाजपा में मोदी जी की सरकार आते ही सबके साथ और सबके विकास पर काम किया गया है। एक तरफ राम मंदिर को बचाने वाले खड़े हैं, और दूसरी तरफ उनके विरोधी अब आपको सोचना है कि आपको किसको सुना है।

रामभक्तों पर चलवाई थी गोली

कांग्रेस के समय में आतंकी विस्फोट होते थे, लेकिन जैसे ही भाजपा सरकार आई सभी गतिविधियों को दूसरे देशों ने रोक दिया। क्योंकि हम हमले का मुंहतोड जवाब देते हैं। आपको याद रखना होगा कि जब रामभक्तों पर गोली चली थी, तब केंद्र में कांग्रेस की और प्रदेश में सपा की सरकार थी।

हमारा एटम बम फ्रिज में रखने के लिए नहीं

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पाकिस्तान का राग अलाप के भारत को कितना कलंकित करेगी। कांग्रेस के लोग कहते हैं कि पाकिस्तान के पास एटम बम है। हम उन्हें बताना चाहते हैं कि हमारा एटम बम फ्रिज में रखने के लिए नहीं है।

मोदी के नेतृत्व में बदली राजनीति की परिभाषा – जेपी नड्डा

लखनऊ, संवाददाता। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पश्चिम बंगाल के गंगाजलघाटी में जनसभा को संबोधित किया। जेपी नड्डा ने कहा कि मोदी जी ने राजनीति की परिभाषा, राजनीति की संस्कृति और राजनीति की सोच... बदल डाली है। 10 साल पहले लोग सोचते थे कि देश में कुछ बदलने वाला नहीं है, लेकिन मोदी जी ने 10 साल में विश्वास भर दिया कि हम देश को बदल सकते हैं, देश को आगे ले जा सकते हैं। आज 2024 में, मोदी जी के नेतृत्व में हम विकसित भारत के संकल्प को लेकर चल पड़े हैं। मोदी जी ने 10 साल में भारत की अर्थव्यवस्था को 11वें नंबर से 5वें नंबर पर लाने का काम किया। आने वाले पांच साल में मोदी जी के नेतृत्व में भारत, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। जेपी नड्डा ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में विकास की एक नई कहानी लिखी जा रही है। भारत दवाई बनाने में दूसरे नंबर पर खड़ा है। सबसे अच्छी और सस्ती दवा भारत बना रहा है। इस्पात में हम दूसरे नंबर पर खड़े हैं। ऑटोमोबाइल में तीसरे नंबर पर हैं। पहले मोबाइल पर लिखा होता था– मेड इन चाइना, मेड इन जापान, मेड इन कोरिया, मेड इन ताइवान... आज आपके मोबाइल पर लिखा होता है– मेड इन इंडिया। ये बदला भारत है।

संपादकीय

बोनी को घर ले आओ

मणिपुर के इंफाल पूर्वी जिले के नोंगाडा में एक राहत शिविर में, नन्ही बोनी (बदला हुआ नाम) को आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों के राहत और पुनर्वास के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त समिति के दौरे पर आए सदस्यों के लिए एक गाना गाने के लिए कहा गया था। अपनी उम्र के कई लोगों के विपरीत, उन्होंने लोकप्रिय टेलर स्विफ्ट सिंगल या नवीनतम बॉलीवुड चार्टबस्टर को नहीं चुना। इसके बजाय, उसने घर वापस जाने के बारे में एक सीता एसेई (एक शोक गीत) गाया। आँखों से आँसू बह रहे थे, उसकी आवाज रुंध रही थी लेकिन फिर भी सुरीली थी, बोनी का विलाप पत्थर दिल वाले व्यक्ति को भी द्रवित कर देता। चारों ओर देखने पर मैंने देखा कि उपस्थित लोग, चाहे वे शब्दों का अर्थ समझते हों या नहीं, रो रहे थे। मैं भी अपवाद नहीं था। उस पल, मुझे एहसास हुआ कि विभाजित समाज की वास्तविक कीमत क्या है – घर लौटने में असमर्थ बच्चे के आँसू। |कअमतजपेमउमदज बोनी एक मैतेई है और उसका घर, शिविर से बहुत दूर नहीं, कुकी–बहुल क्षेत्र की परिधि में पड़ता है। उसके और उसके जैसे हजारों लोगों के लिए वहां वापस जाना असुरक्षित है। उनके घर ढहा दिये गये हैं और उनमें से कुछ जलकर खाक हो गये हैं। यही बात कुकियों के लिए भी सच है जो मैतेई–प्रभुत्व वाले क्षेत्रों की घाटी में रहते थे। राहत शिविर में लगे एक अन्य पोस्टर के अनुसार, एक साल से अधिक समय हो गया है और न तो दोनों तरफ से हिंसा के अपराधियों को कोई सजा मिली है, न ही लोग घर लौट पाए हैं। राहत शिविर अब उनकी जेल हैय सीता ईसेई, उनका आउटलेट। विज्ञापन समिति के कुछ कार्यों में सहायता करने के बाद, मैंने संबंधित दस्तावेज पढ़े और मणिपुर में जातीय संघर्ष पर डेटा एकत्र किया। लेकिन त्रासदी की भयावहता और प्रशासन के लिए आगे की चुनौती मेरे दौरे के बाद ही मेरे सामने स्पष्ट हो गई। इम्फाल पूर्व और इम्फाल पश्चिम में मैंने जिन दो राहत शिविरों का दौरा किया, उनमें दो मौजूदा संरचनाएं – एक अप्रयुक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और एक एक्सपो हॉल – को आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों को समायोजित करने के लिए पुनर्निर्मित किया गया था। अब करोड़ों परिवार, यदि वे भाग्यशाली हैं, छोटे कमरों में रहते हैं, अन्यथा तिरपाल शीट या प्लाइवुड सेपरेटर से बने अस्थायी बाड़ों में रहते हैं। प्रशासन ने निवासियों को अपनी आजीविका फिर से शुरू करने के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं, नवजात शिशुओं की देखभाल और सिलाई मशीनें प्रदान की हैं। एक शिविर में एक खुली जगह आंगनवाड़ी और नर्सरी स्कूल थी जहाँ शिविर के बच्चे कुछ घंटे बिताते थे। दूसरे कैंप में एक बड़ा कमरा जिम था, जहां अन्य चीजों के अलावा, जुम्बा कक्षाएं आयोजित की जाती थीं। प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, निवासियों ने कठिन परिस्थिति का भरपूर लाभ उठाया है। कुछ लोगों ने शिविर के भीतर दुकानें खोल ली हैंय बोनी जैसे अन्य लोगों ने एक स्थानीय निजी स्कूल में प्रवेश ले लिया है। लेकिन उनमें से प्रत्येक की एक ही राय है – वे प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्था से खुश हैं लेकिन हताश होकर घर वापस जाना चाहते हैं। पास के एक शानदार चिकित्सा देखभाल केंद्र में, मेरी मुलाकात नीलांबर (बदला हुआ नाम) से हुई, जो केंद्र का प्रबंधन करने के लिए मुंबई में अपनी नौकरी छोड़कर घर लौट आया था। कुछ साल पहले, राज्य ने अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मार्ट की मेजबानी की थी। इसके बाद मिस इंडिया प्रतियोगिता की मेजबानी की गई। चीजें अच्छी दिख रही थीं और नीलांबर जैसे कई लोग आगे बढ़े और वापस लौट आए। लेकिन जो भी विकास हुआ, उसमें विभाजन और हिंसा की संभावना छिपी हुई थी। इस तरह के विभाजन की कीमत हमेशा इतनी अधिक होती है कि घड़ी को दशकों पीछे ले जाने के लिए केवल एक घटना की आवश्यकता होती है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि जैसा कि श्रुति कपिला ने वायलेंट फ्रेटरनिटी में स्पष्ट रूप से लिखा है, भारत में हिंसा हमेशा अंतरंग होती है – यह पड़ोसी और भाई हैं जो आमतौर पर महाभारत से लेकर भारत के विभाजन तक एक–दूसरे से लड़ते हैं और मारते हैं। कोई भी आर्थिक विकास तब तक नाजुक होता है जब तक वह शांति और सद्भाव की ठोस नींव पर न बना हो। मणिपुर की स्थिति कोई अपवाद नहीं है. अपने छोटे भौगोलिक आकार और भूमि की सीमित उपलब्धता के साथ तीव्र जातीय विभाजन के कारण, मणिपुर हमेशा बारूद का ढेर बना रहा। लेकिन जैसा कि गुजरात, दादरी, मुजफ्फरनगर और इससे पहले दार्जिलिंग, असम और पंजाब में बड़े पैमाने पर हिंसा से पता चला है, देश बारूद के ढेर का एक संग्रह है। उन्हें सुलगाने वाली चिंगारी अलग–अलग हो सकती है – एक राजनेता के भड़काऊ भाषण से लेकर एक ट्रिगर–खुश चाचा द्वारा व्हाट्सएप संदेश को बिना सोचे–समझे अग्रेषित करना जो दूसरे समुदाय को बदनाम करता है या, जैसा कि मणिपुर के मामले में, दो लोगों की परेड करने का विद्रोही और आपराधिक कृत्य। महिलाएं नग्न होकर अपनी बेइज्जती को वीडियो में कैद कर रही हैं। हालाँकि ये कार्य अलग–अलग स्तर पर गलत हैं, लेकिन उनके मूल में एक सामान्य तत्व है – दूसरे इंसान के साथ उस सम्मान के साथ व्यवहार करने में बुनियादी विफलता जिसका वह इंसान होने के नाते हकदार है। बोनी आज स्कूल नहीं जा सकती क्योंकि उसके कुकी समकक्ष उसे स्कूल जाने वाले बच्चे के रूप में नहीं देखते हैं जो शिक्षा चाहता है, बल्कि एक मैतेई के रूप में देखता है जिसे उसकी जगह दिखानी है। यही बात राज्य के विभिन्न हिस्सों में बेघर हुए अनगिनत कुकी बच्चों के लिए भी सच है।

के-फैक्टर भाजपा को कैच-अप खेलने के लिए कर रहा मजबूर

आदित्य

एक घायल शिकार से अधिक खतरनाक कुछ भी नहीं है, जैसा कि हर शिकारी, शिकारी या बाघ जानता है। जीवित रहने की प्रवृत्ति उड़ान या लड़ाई का आग्रह करती हैय आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने तानाशाही को हराने के वादे के साथ पिछले हफ्ते दिल्ली की तिहाड़ जेल से बाहर निकलते ही अपनी लड़ाई शुरू कर दी। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि नरेंद्र मोदी का मिशन विपक्ष और यहां तक घ्धकि भाजपा नेताओं को भी बंद करके ष्एक राष्ट्र–एक नेताष स्थापित करना है, जो भी कर्णधार के लिए विकल्प और चुनौती पेश करते हैं। |कअमतजपेमउमदज "रोओ कहर! और, युद्ध के कुत्तों को छोड़ दोश्श बिल्कुल यही श्री केजरीवाल की शुरुआती चेतावनी जैसा लगता है। श्री केजरीवाल ने जिस तबाही का वादा किया है वह प्रधानमंत्री के पक्ष और विपक्ष में भयंकर ध्रुवीकरण है। श्री केजरीवाल के उत्तेजक सवाल – भाजपा का प्रधानमंत्री पद का चेहरा कौन होगा?ष पर भाजपा के संगठनात्मक और रणनीतिक मास्टरमाइंड अमित शाह की प्रतिक्रिया की तीव्रता और गति। – और उनका समान रूप से चिड़चिड़ा जवाब, अमित शाह को तब स्थापित किया जाएगा जब मोदी सितंबर में 75 वर्ष की आयु में पद छोड़ देंगे, यह आप नेता के प्रभाव और व्यवधान की संभावना का एक उपाय है। जैसा कि देश ने सोमवार को आम चुनाव के चौथे चरण में मतदान

किया, केजरीवाल फैक्टर बिल्कुल वही है जिसकी भाजपा और श्री मोदी को आवश्यकता नहीं थी। भले ही चरण 3 में मतदाता मतदान में वृद्धि हुई, तथ्य यह है कि 2024 के चुनाव में श्री मोदी के लिए कोई लहर नहीं है, यहां तक कि कोई लहर भी नहीं है। प्रचार अभियान में उनकी वापसी बिल्कुल वैसा ही मनोबल बढ़ाने वाली है जिसकी क्षेत्रीय दलों और नेताओं को जरूरत थी। उनकी चेतावनी कि तृणमूल कांग्रेस की संस्थापक ममता बनर्जी को एजेंसियाँ किसी भी समय उठा सकती हैं, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के संदेह की पुष्टि है कि 2024 का चुनाव जीतने के लिए श्री मोदी की रणनीति में क्षेत्रीय नेताओं को चुनना और उन्हें जेल भेजकर निष्क्रिय करना शामिल है। क्षेत्रीय पार्टी और स्थानीय प्रभावशाली नेताओं को अपनी लामबंदी मजबूत करने और भाजपा के खिलाफ युद्ध छेड़ने का आह्वान करके, श्री केजरीवाल का जुआ स्पष्ट है श्री मोदी और उनके समर्थकों को हराने के लिए भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन ब्लॉक पार्टियों का एकीकरण। यह उन व्यथित भाजपा नेताओं और उनके घटकों की भावनाओं से भी खेलता है जो मोदी–अमित शाह–जे.पी. के बाद बेचौन हो गए हैं। नड्डा ने 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों की एक सूची की घोषणा की, जिसमें अन्य दलों, विशेषकर कांग्रेस से बड़ी संख्या में दलबदलू शामिल थे, जो क्षत्रिय वोटों को प्रभावित करने में सफल रहे और आदिवासी और दलित समुदायों को साधने में कामयाब रहे, जो इस बात से सहमत नहीं हैं कि भाजपा की वापसी होगी। इसका मतलब आरक्षण को खत्म करना नहीं है क्योंकि वे इसे 1950 से जानते हैं। जैसे ही सोशल मीडिया पर गुजरात से लेकर राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक तक अपने गढ़ों में भाजपा की सीटें हारने की संभावना को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं, श्री केजरीवाल की सख्त चेतावनियां पुष्टि और सत्यापित और अप्राप्य दोनों तरह की सूचनाओं के विशाल नेटवर्क में पहुंच जाएंगी। इसकी शुरुआत पहले ही हो चुकी है कि बीजेपी ने जोरदार ढंग से यह दावा किया है कि वह 400 से अधिक सीटें जीतेगी, जिससे पता चलता है कि पार्टी को लगता है कि श्री केजरीवाल का मुकाबला करना जरूरी है। किसी अभियान में पिच और धारणा का सही होना बेहद मायने रखता हैय 2014 में, श्री मोदी की सबका साथ–सबका विकासष की पिच और राम मंदिर के साथ आर्थिक विकास के गुजरात मॉडल ने मतदाताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। 56 इंच की छाती के दावे में सन्निहित उनकी आक्रामक मर्दानगी मनमोहन सिंह के कम महत्वपूर्ण व्यक्तित्व के बिल्कुल विपरीत थी। 2024 में, श्री मोदी ने विकसित भारत के साथ शुरुआत की, जिसका लक्ष्य 2047 की अर्थहीन समाप्ति तिथि है। चरण 2 से, विकसित भारत को मंगलसूत्र–मुस्लिम–विरासत कर के रूप में छोड़ दिया गया और पाकिस्तान की साजिश ने कब्जा कर लिया। श्री केजरीवाल और आई.एन.डी.आई.ए. से मुकाबला करने के लिए बदलती कहानी को फिर से तैयार करना होगा। ब्लॉक या उसे यह स्वीकार करने के लिए सामना करना होगा कि वह उस मौखिक लड़ाई से भाग रहा है जो अब भारत के चुनावी इतिहास में बिना किसी समानता के मुक्केबाजी मैच है।

भाजपा को कभी भी इस तरह की चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा है, जहां उसका न तो अपने स्वयं के आख्यान पर नियंत्रण है और न ही व्यापक राजनीतिक प्रवचन पर। जैसे–जैसे यह कैच–अप गेम के शुरुआती चरणों से गुजर रही है, भाजपा किसी भी अन्य पार्टी की तरह ही प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए संघर्ष करती दिख रही है। श्री केजरीवाल की कैद और रिहाई ने जो रेखा खींची है वह भाजपा–विरोधियों को भाजपा से अलग करती हैय दूसरे शब्दों में, शत्रु इंडिया के अंदर और बाहर सभी दलों के लिए समान है। ब्लॉक. यह उतना ही चालाक और जोखिम भरा है जितना यह हो सकता हैय लेकिन श्री केजरीवाल अपने मित्रों को आई.एन.डी.आई.ए. में धकेलने को लेकर आश्वस्त दिख रहे हैं। सात चरणों के चुनाव के शेष चरणों में कांग्रेस सहित गुट और मजबूती से लड़ेगा। यह विकल्प को किनारे करने और यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक टॉनिक हो सकता है कि ||च दिल्ली में भाजपा की तुलना में अधिक सीटें जीते, जिसने 2019 के लोकसभा चुनाव में सभी सात सीटें जीतीं। दो बड़े मुद्दे जिन्हें ष्केष कारक ने छाया से बाहर खींच लिया है और सुर्खियों में ला दिया है, वे हैं भ्रष्टाचार–सत्ता का दुरुपयोग और अधिक और बेहतर लोक कल्याण उपाय। अब खघ्त्म हो चुके चुनावी बांड के माध्यम से किस पार्टी को कितना मिला, इसके जबरन खुलासे से श्री मो के नेतृत्व वाली भाजपा परेशान हो गई। डि ने क्षति सीमित करने की कवायद शुरू की। मोदी सरकार ने धार्मिक पहचान की राजनीति को आगे बढ़ाकर और बहुसंख्यक उन्माद को भड़काने वाले भाजपा के समय–परीक्षणित सांप्रदायिक विभाजनकारी एजेंडे पर वापस आकर जो राहत हासिल करने की कोशिश की थी, वह खत्म हो गई है।

पर्यावरण को स्वर्ग मय बनाने की शुरूआत परिवार से हो

ललित

परिवारों के महत्व और समाज में उनकी भूमिका का जश्न मनाने के लिए 15 मई को अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस एक वार्षिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र ने परिवारों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने, उनके सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर करने, एकजुटता के आदर्शों को बढ़ावा देने और दुनिया भर में पारिवारिक इकाइयों को मजबूत करने वाले प्रयासों को प्रदर्शित करने के लिए इसे 1994 में एक संकल्प के रूप में अपनाया। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस की 30वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, जिसका थीम है परिवार और जलवायु परिवर्तन। इसका लक्ष्य परिवारों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उन्हें इन प्रभावों को कम करने के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित करना है। परिवार और सामुदायिक पहल शिक्षा, सूचना पहुंच, प्रशिक्षण और सामुदायिक भागीदारी प्रदान करके जलवायु परिवर्तन से पर्यावरण एवं जीवन पर पड़ रहे खतरों से सावधान करना एवं पर्यावरण को साफ–सुथरा बनाना है। 1983 में, आर्थिक और सामाजिक परिषद और सामाजिक विकास आयोग ने सिफारिश की कि संयुक्त राष्ट्र पारिवारिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करे। संयुक्त राष्ट्र ने माना कि बदलती आर्थिक और सामाजिक संरचनाएँ दुनिया भर में पारिवारिक इकाइयों को प्रभावित कर रही हैं। इसलिए, 1993 में, इसने आधिकारिक तौर पर 15 मई को अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस के रूप में घोषित किया। स्पष्ट है कि किसी भी समाज का केंद्र परिवार ही होता है। परिवार ही हर उम्र के लोगों को सुकून पहुँचाता है। दरअसल सही अर्थों में परिवार वह संरचना है, जहां स्नेह, सौहार्द, सहयोग, संगठन, सुख–दुःख की साझेदारी, सबमें सबके होने की स्वीकृति जैसे जीवन–मूल्यों को जीया जाता है। जहां सबको सहने और समझने का अवकाश है, अनुशासना के साथ रचनात्मक स्वतंत्रता है। निष्ठा के साथ निर्णय का अधिकार है। जहां बचपन सत्संस्कारों में पलता है। युवकत्व सापेक्ष जीवनशैली में जीता है। वृद्धत्व जीए गये अनुभवों को सबके बीच बांटता हुआ सहिष्णु और संतुलित रहता है। ऐसे परिवार रूपी परिवेश में सुखी जीवन का स्रोत प्रवहमान रहता आया है। लेकिन आज इस परिवार की संरचना में आंच आयी हुई है। अपनों के बीच भी परायेपन का अहसास पसरा हुआ है। विश्वास संदेह में उतर रहा है। कोई किसी को सहने और समझने की कोशिश नहीं कर रहा है। इन स्थितियों पर नियंत्रण की दृष्टि विश्व परिवार दिवस मनाये जाने की प्रासंगिकता आज अधिक सामने आ रही है। परिवार सामाजिक संगठन की मौलिक इकाई है। परिवार के अभाव में मानव समाज के संचालन की कल्पना भी दुष्कर है। प्रत्येक व्यक्ति किसी–न–किसी परिवार का सदस्य रहा है या फिर है। उससे अलग होकर उसके अस्तित्व को सोचा नहीं जा सकता है। भारत की संस्कृति और सभ्यता कितने ही परिवर्तनों को स्वीकार करके अपने को परिष्कृत कर ले, लेकिन परिवार संस्था के अस्तित्व पर कोई भी आंच नहीं आई। परिवार बने और बन कर भले टूटे हों लेकिन उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता है। उसके स्वरूप में परिवर्तन आया और उसके मूल्यों में परिवर्तन हुआ लेकिन उसके अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाया जा सकता है। हम चाहे कितनी भी आधुनिक विचारधारा में हम पल रहे हो लेकिन अंत में अपने संबंधों को विवाह संस्था से जोड़ कर परिवार में परिवर्तित करने में ही संतुष्टि अनुभव करते हैं। बावजूद इसके क्यों परिवार बिखर रहे हैं, परिवार संस्था के अस्तित्व पर क्यों धुंधलके छा रहे हैं– इस तरह के प्रश्न समाधान चाहते हैं। भारत में सर्वोच्च न्यायालय ने इसी समाधान के लिये हिन्दू विवाह परम्परा को बल देने की बात हाल ही में कही हैं। सच है कि आज संयुक्त परिवार बिखर रहे हैं। एकल परिवार भी तनाव में जी रहे हैं। बदलते परिवेश में पारिवारिक सौहार्द का ग्राफ नीचे गिर रहा है, जो एक गंभीर समस्या है। परिवार से पृथकता तक तो ठीक है, किंतु उसके मूल आधार स्नेह में भी खटास पड़ जाती है। स्नेह सूत्र से विच्छिन्न परिवार, फिर 'घर' के दिव्य भाव को नहीं जी पाता क्योंकि तब उसकी दशा 'परिवार के सदस्यों की परस्पर अजनबी समूह' जैसी हो जाती है। समस्या आदिकाल से है, किंतु वह अब तक इसलिए है क्योंकि अधिकांश परिवारों ने समाधान के अति सरल उपायों पर विचार ही नहीं किया या फिर यों कहें कि अपनी रूढ़िवादिता की झोंक में विचार करना पसंद ही नहीं किया। मेरे विचार से, स्नेह, सम्मान और स्वतंत्रता की सूत्रत्रयी ही समाधान का मूल है। यदि तीनों का परस्पर अंतर्संबंध समझकर उसे आचरण में उतार लें, तो घर को 'स्वर्ग' बनते देर नहीं लगेगी। जब घर स्वर्ग बनने लगेंगे तो दुनिया, प्रकृति एवं पर्यावरण भी स्वर्गमय बन जायेंगे। दुनिया भर की धन दौलत व्यक्ति को वह सुकून नहीं दे सकती, जो स्नेह और सम्मान का मधुर भाव देता है। इन्सान की पहचान उसके संस्कारों से बनती है। संस्कार उसके समूचे जीवन को व्याख्यायित करते हैं। संस्कार हमारी जीवनी शक्ति है, यह एक निरंतर जलने वाली ऐसी दीपशिखा है जो जीवन के अंधेरे मोड़ों पर भी प्रकाश की किरणें बिछा देती है। उच्च संस्कार ही मानव को महामानव बनाते हैं। सद्संस्कार उत्कृष्ट अमूल्य सम्पदा है जिसके आगे संसार की धन दौलत का कुछ भी मौल नहीं है। सद्संस्कार मनुष्य की अमूल्य धरोहर है, मनुष्य के पास यही एक ऐसा धन है जो व्यक्ति को इज्जत से जीना सिखाता है और यही सुखी परिवार का आधार है। वास्तव में बच्चे तो कच्चे घड़े के समान होते हैं उन्हें आप जैसे आकार में ढालेंगे वे उसी आकार में ढल जाएंगे। मां के उच्च संस्कार बच्चों के संस्कार निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए आवश्यक है कि सबसे पहले परिवार संस्कारवान बने, माता–पिता संस्कारवान बने, तभी बच्चे संस्कारवान चरित्रवान बनकर घर की, परिवार की प्रतिष्ठा को बढ़ा सकेंगे। अगर बच्चे सत्पथ से भटक जाएंगे तो उनका जीवन अंधकार के उस गहन गर्त में चला जाएगा जहां से पुनः निकलना बहुत मुश्किल हो जाएगा।

यूपी में मिशन 80 का लक्ष्य साधती 'मोदी-योगी' की जोड़ी

आर.के.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विगत मंगलवार को पवित्र वाराणसी में लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए अपना पर्चा भरने से एक दिन पहले जब काशी में रोड शो निकाला तो उनकी साये की तरह साथ रहनेवाले उत्तर प्रदेश (यूपी) के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी थे। रोड शो के सारे मार्ग में काशी की जनता ने मोदी–योगी का जिस उत्साह से अभूतपूर्व स्वागत किया उसने स्वतः कई ठोस संकेत दे दिए। वैसे भी लोकसभा चुनाव के समर में सारे देश की निगाहें उत्तर प्रदेश पर लगी हुई हैं। सब जानने को उत्सुक हैं कि यूपी किस पार्टी की झोली को आगामी 4 जून को भरकर दिल्ली की सत्ता की चाबी सौंपेगा। सियासी गलियारे में वैसे भी यह कहावत पुरानी है कि दिल्ली के सिंहासन का रास्ता यूपी से होकर गुजरता है। यानी जिस पार्टी के पास यूपी में सबसे अधिक सीटें होंगी, प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचने का उसका रास्ता उतना ही आसान होगा। यही वजह है कि यूपी की 80 सीटों पर जीत हासिल करने के लिए राजनीतिक दल 2024 लोकसभा चुनावों में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे। अलबत्ता सियासी पैंतरेबाजी से उलट राजनीतिक विश्लेषक यही मान रहे हैं कि इस बार यूपी में लोकसभा चुनाव के परिणाम अप्रत्याशित नहीं होंगे। भाजपा 2019 लोकसभा चुनावों का प्रदर्शन बखूबी दोहराएगी। मोदी और योगी की जोड़ी एक बार फिर करिश्माई प्रदर्शन करेगी। दरअसल,मोदी–योगी की जोड़ी जीत की गारंटी बन चुकी है, जिसके आगे विपक्षी तेवर भी ढीले नजर आते हैं। विपक्ष के पास इस जोड़ी की कोई काट नहीं। भाजपा अगर यूपी में लोकसभा की सभी 80 सीटों पर जीत के लक्ष्य के साथ चुनावी मैदान में ताल ठोंक रही है , तो उसके पीछे भी इसी जोड़ी का भरोसा है। प्रधानमंत्री कई बार सार्वजनिक मंचों से योगी के विकास मॉडल की तारीफ कर चुके हैं। प्रधानमंत्री इसी मॉडल के जरिए यूपी की सभी सीटों पर जीत का दावा भी कर रहे हैं। जैसा कि अमरोहा की अपनी चुनावी जनसभा में प्रधानमंत्री ने कहा भी कि 'लिखकर ले लीजिए। सात साल से यूपी में योगी की सरकार है। 2019 लोकसभा चुनाव के समय उन्हें दो ही साल काम करने का मौका मिला था। अब तो सात साल हो गए हैं। योगी ने दिखा दिया है कि गर्वनेंस क्या होता है। कानून व्यवस्था क्या होती है। विकास क्या होता है और इसलिए योगी के नेतृत्व में इस बार रिकॉर्ड टूटेगा। इस बार 2014 और 2019 का रिकॉर्ड टूटेगा और यूपी इतिहास रचेगा।' यूपी के चुनावी सफर में 2014 का लोकसभा चुनाव मील का पत्थर साबित हुआ। इसी साल यूपी में भाजपा का सियासी वनवास पूरा हुआ। उस समय भाजपा के सामने कोई गठबंधन नहीं था। भाजपा ने करीब 43 फीसदी वोट हासिल करते हुए 80 में से 71 सीटों पर जीत दर्ज की थी। समाजवादी पार्टी ने पांच सीटें जीती ।जबकि, कांग्रेस मात्र 2 सीटों पर ही सिमटकर रह गई थी। बसपा का तो खाता भी नहीं खुला था। 2019 लोकसभा चुनाव में मोदी लहर और योगी के कार्यों के दम पर बीजेपी ने चुनावी दंगल में पुनः ताल ठोंकी।

आधुनिक जीवन का अभिशाप है हाई ब्लडप्रेशर

ललित

उच्च रक्तचाप यानी हाई ब्लड प्रेशर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसके रोकथाम, पहचान और नियंत्रण को प्रोत्साहित करने के लिए हर साल 17 मई को 'विश्व उच्च रक्तचाप दिवस मनाया जाता है।' वर्तमान में दुनिया भर में उच्च रक्तचाप से करीब डेढ अरब से अधिक लोग पीड़ित हैं। दुनिया भर में उच्च रक्तचाप वाले अनुमानित 46 फीसदी लोग इस बात से अनजान हैं कि उन्हें उच्च रक्तचाप है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक उच्च रक्तचाप वाले पांच में से सिर्फ एक वयस्क इसे नियंत्रण में रखता है, जिसका अर्थ है कि 80 फीसदी को भारी खतरा है, जिसमें दिल का दौरा, स्ट्रोक, अनियमित दिल की धड़कन और गुर्दे को नुकसान पहुंचना आदि शामिल है। इस वर्ष की थीम के तहत 'अपने रक्तचाप को सटीक रूप से मापें, इसे नियंत्रित करें और लंबे समय तक जीवित रहें', इस पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उच्च रक्तचाप के प्रमुख कारण हैं मोटापा, तनाव, अस्वास्थ्यकर जीवनशैली, नियमित शारीरिक गतिविधि न करना, धूम्रपान, अल्कोहल, आहार में सोडियम (नमक) की अत्यधिक मात्रा और मधुमेह जैसी कुछ स्थितियाँ भी इसका कारण बन सकती हैं। गर्भावस्था के दौरान भी उच्च रक्तचाप हो सकता है। नयी सदी की दहलीज पर खड़े महत्त्वाकांक्षी युवा–वर्ग के सामने प्रतिस्पर्धाओं का अंतहीन माहौल है। यदि वह इस बाधा दौड़ में हारता है, तो नकारात्मक तनावों से घिर जाता है, यदि जीतता है तो नयी–नयी स्पर्धाओं का चुनौति भरा संघर्ष फिर शुरू हो जाता है। अपनी विजय को स्थायी रखने तथा नये–नये कीर्तिमान स्थापित करने के लिए छल–प्रपंच और झूठ का सहारा लेता है। वैज्ञानिक कहते हैं दुनिया में जितना अधिक झूठ बढ़ा है, उतना ही अधिक हाई ब्लड प्रेशर का खतरा भी बढ़ा है। झूठ का रास्ता कभी सीधा नहीं होता। उबड़–खाबड़, टेढ़ा–मेढ़ा और घुमावदार होता है वह। कुटिल व्यक्ति के विचार सदा प्रदूषित रहते हैं। यह मन का प्रदूषण उच्च रक्तचाप की जड़ है। उच्च रक्तचाप से जुड़े तमाम खतरों के बीच प्रसंस्कृत खाद्य वस्तुओं (अल्ट्रा–प्रोसेस्ड फूड) का बढ़ता चलन चिंताजनक है। चिंता इसलिए कि खतरों को जानते–बूझते भी ऐसे खाद्य पदार्थों की बाजार में उपलब्धता ज्यादा होने लगी है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के हाल ही में सामने आए एक अध्ययन में बताया गया है कि नियमित रूप से प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ खाने से समय पूर्व मौत का जोखिम चार फीसदी बढ़ जाता है, जिसमें उच्च रक्तचाप प्रमुख है। आमतौर पर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ रेडी टू यूज होते हैं। पैकेट वाले स्नैक्स, डिब्बाबंद फूड, कोल्ड ड्रिंक इसकी श्रेणी में आते हैं। हाई ब्लडप्रेशर का खतरा महिलाओं से ज्यादा पुरुषों में होता है। इससे बचने के लिए न केवल डाइट और लाइफ स्टाइल पर ध्यान देने की जरूरत है बल्कि तनाव को कम करना और शरीर को सक्रिय बनाए रखने के लिए एक्सरसाइज भी बेहद जरूरी है। आजकल 18 साल से 50 वर्ष के लोग हाइपरटेंशन के अधिक शिकार हैं। हालांकि साठ साल की उम्र से पहले पुरुषों में उच्च रक्तचाप का खतरा ज्यादा रहता है, पर बाद में स्त्री–पुरुष दोनों में ही खतरे की आशंका बराबर होती है। देखा गया है कि जो व्यक्ति गुस्सा नहीं करते, वो कम बीमार होते हैं। जिस व्यक्ति को गुस्सा ज्यादा आता है, उनमें ब्लडप्रेशर, हाइपरटेंशन, गंभीर रूप से पीठ में दर्द की शिकायत देखी गई है। इसके साथ ही ऐसे लोगों को पेट की शिकायत भी हो सकती है। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस उच्च रक्तचाप की रोकथाम और नियंत्रण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह लोगों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिसमें नियमित व्यायाम करना, स्वस्थ भोजन और संतुलित आहार खाना, तंबाकू, अत्यधिक शराब और धूम्रपान से बचना शामिल है। जीवनशैली में ये बदलाव उच्च रक्तचाप और इसकी जटिलताओं के जोखिम को कम करने में मदद कर सकते हैं। व्यक्ति की भावनाएं, सोच, विचार और आदत में अन्तरसंबंध होता है। हमारे विचार, हमारे सोच को प्रभावित करते हैं और सोच से आदत बदलती है। इसके लिए आपको नियमित व्यायाम करना चाहिए। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस का एक प्रमुख संदेश नियमित रक्तचाप की निगरानी का महत्व है। उच्च रक्तचाप को अक्सर 'साइलेंट किलर' कहा जाता है क्योंकि आमतौर पर इसके कोई लक्षण नहीं होते हैं जब तक कि यह गंभीर जटिलताएं पैदा न कर दे। नियमित रक्तचाप जांच से उच्च रक्तचाप का शीघ्र पता लगाने और जटिलताओं को रोकने के लिए समय पर हस्तक्षेप करने में मदद मिल सकती है। स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर द्वारा बताई गई दवाएं लेना भी शामिल है। चिकित्सा–विज्ञान की अपूर्व प्रगति ने मनुष्य को इस जीवनघाती व्याधि से बचाने में कल्पनातीत सहयोग दिया है। रोग–निदान करने वाले अति संवेदी सूक्ष्म उपकरण, औषध–विज्ञान और सफल शल्य–क्रिया–ये सब किसी मृत्युंजयी तत्त्व से कम नहीं हैं। आश्चर्य तो इस बात का है कि इतना सब कुछ होते हुए भी उच्च रक्तचाप जैसी जानलेवा बीमारी का राक्षसी–पंजा नियंत्रण के बाहर है। जो चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं, वे आम–आदमी के लिए अलभ्य हैं। इस महंगी चिकित्सा–सेवा के द्वारा संपन्न व्यक्ति भले ही मृत्यु के निमंत्रण को एक अवधि तक टाल दें, किंतु गरीबों की दयनीय दशा की कल्पना कौन कर सकता है? मियामी विश्वविद्यालय अमेरिका के वैज्ञानिकोंध्डॉक्टरों ने अपनी संयुक्त विज्ञप्ति में अपील की है कि मानसिक तनावों को अपने पर हावी न होने दें। इस संबंध में लोगों को स्वस्थ जीवन जीने के तौर–तरीके सिखाने चाहिए। उनका मानना है कि निरंतर तनाव–ग्रस्त रहने और भोजन में चिकने पदार्थों का अधिक सेवन करने वालों पर हाई ब्लड प्रेशर का आक्रमण आसानी से हो जाता है। तनाव मुक्त रहने से शरीर की रोग–प्रतिरोधक शक्ति सुरक्षित रहती है। तमाम तरह के शोध इस बात का खुलासा करते रहे हैं कि ऐसे डिब्बा बन्द खाद्य पदार्थों में शुगर, फैट और नमक की मात्रा काफी अधिक होती है, जबकि फाइबर व अन्य पोषक तत्व कम होते हैं। इसीलिए प्रसंस्कृत खाद्य वस्तुएं उच्च रक्तचाप से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ा देती हैं। लोग बेपरवाह होकर प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। खास तौर से नई पीढ़ी को ऐसी खाद्य वस्तुएं अधिक लुभा रही हैं।

प्रेस सेवा पोर्टल ने प्रकाशकों को विषम परिस्थितियों में डाल दिया

–लघु एवं मध्यम समाचार पत्रों को समाप्त करने की योजना।
–सभी प्रकाशक प्रेस सेवा पोर्टल का करें बहिष्कार।

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। ऑल इंडिया न्यूजपेपर एसोसिएशन, आईना की महत्वपूर्ण बैठक में संगठन के कार्यो की समीक्षा करते हुए लघु एवं मध्यम समाचार पत्रों पर छाए संकटों पर भी कोर कमेटी ने चिंता व्यक्त करते हुए विचार विमर्श किया। भारत सरकार द्वारा बनाए गए प्रेस सेवा पोर्टल के अंतर्गत नई नियमावली जो बनाई गई है उसमें उन्होंने ऐसे नियम बनाए हैं कि जिसमें छोटे समाचार पत्रों पर इतना शिकंजा कस दिया गया है कि उन नियमों के तहत अहर्ताओं को पूरा करने में कोई भी लघु एवं मध्यम समाचार पत्र के प्रकाशक सक्षम नहीं है।

केंद्र सरकार द्वारा लागू की जाने वाली नई नियमावली के विरोध में आईना ने यह प्रस्ताव रखा की भारत के प्रधानमंत्री और रजिस्ट्रार, RNI, प्रेस इनफॉरमेशन ब्यूरो के साथ–साथ भारत के उन उच्च अधिकारियों और भारत के न्याय तंत्र को पत्राचार के माध्यम से नियमों को शिथिल कराने की मांग आईना संगठन द्वारा की जाएगी। यदि जरूरत पड़ी तो लघु एवं मध्यम समाचार पत्रों के प्रकाशकों और पत्रकार हितों तथा उनके संरक्षण को लेकर काम करने वाले कई संगठनों के माध्यम एवं उनके सहयोग से दिल्ली जन्तर मंतर पर सांकेतिक धरने की रणनीति भी बनाई जाएगी।

इस मौके पर श्यामल त्रिपाठी द्वारा छोटे अखबार सांसत में खबर लगाए जाने का प्रोत्साहन करते हुए जनतंत्र प्राइम भारत समाचार समूह द्वारा प्रतीक चिन्ह भेंट स्वरूप दिया गया।

आईना संगठन का मानना है कि लघु एवं मध्यम समाचार पत्रों के सभी प्रकाशकों को इस प्रेस सेवा पोर्टल का बहिष्कार करना चाहिए। जब तक प्रेस सेवा पोर्टल में वार्षिक विवरण को दाखिल करने में सरलीकरण न कर दिया जाए।

ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार के इशारे पर भारत के समाचार पत्रों को नई नियमावली के तहत प्रकाशकों को विषम परिस्थितियों में डाल दिया गया है। यह कटु सत्य है कि प्रेस सेवा पोर्टल के माध्यम से समाचार पत्र व पत्रिकाओं को बंद करने का केंद्र सरकार द्वारा कुचक्र रचा गया है।

इन सब प्रकरणों को निस्तारित किए बिना प्रेस सेवा पोर्टल को लागू किया जाना न्याय संगत नहीं है। ज्ञातव्य हो कि प्रेस सेवा पोर्टल में अनेक ऐसे प्राविधान रखे गए हैं, जिन्हें छोटे व मझोले समाचार पत्रों व पत्रिकाओं के प्रकाशकों के द्वारा पूरा किया जाना असंभव है। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए सभी प्रकाशकों को एकता के साथ इस सरकारी कुचक्र का कड़ा विरोध करने की जरूरत है।

जिंदगी के लिए रक्तदान और लोकतंत्र के लिए मतदान महत्वपूर्ण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ के निर्देशन में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चल रही स्वीप गतिविधियों के तहत स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता के साथ मानवता की सेवा हेतु रक्तदान की अनूठी पहल की गई। रक्तदान–जीवनदान, मतदान–महादान थीम पर आई.एम.ए. ब्लड बैंक लाइन बाजार में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा गोरखनाथ पटेल ने फीता काट कर किया। जिसमें जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा सहित 42 लोगो ने रक्तदान कर लोगों को रक्तदान और मतदान के लिए प्रेरित किया। बेसिक शिक्षकों ने बढ़ चढ़ कर उत्साह के साथ रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में मौजूद सभी लोगों को मतदान करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा डा गोरखनाथ पटेल ने रक्तदान और मतदान के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि, जीवन के लिए जिस प्रकार रक्तदान जरूरी है। उसी प्रकार लोकतंत्र के लिए मतदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने विशेषकर युवाओं से आह्वान किया कि वे एक–एक वोट के महत्व को खुद समझें और दूसरों को भी मतदान का महत्व समझाएं और 25 मई को लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव में बढ़–चढ़ कर भाग लेने की अपील की। जिले में शत प्रतिशत मतदान का लक्ष्य हासिल कर हमें जौनपुर का अभिमान बढ़ाना है। उन्होंने रक्तदान करने वाले शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करने को कहाँ।आईएमए अध्यक्ष डा अरुण कुमार मिश्रा ने कहा कि रक्त अमूल्य है। आपका रक्त किसी का जीवन बचा सकता है और आपका मत लोकतंत्र मजबूत कर सकता है। इसलिए आइये मिलकर हम सभी रक्तदान और मतदान जैसे पुनीत कार्य में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें और समाज में इस विषय पर जागरुकता लाये। इस अवसर पर आईएमए सचिव डा ए के मौर्य, शिक्षक संघ यूटा जिलाध्यक्ष हेमन्त सिंह, जूनियर शिक्षक संघ अध्यक्ष अतुल प्रकाश यादव, जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा, शिवम सिंह, एस.आर.जी. अखिलेश सिंह, शैलेश चतुर्वेदी, डा बी एन दुबे, सलिल यादव, सुशील अग्रहरि, राघवेंद्र सिंह, मार्टेन सिंह, प्रशांत यादव, प्रदीप यादव, अनुराग चन्द्र, पुष्कर सिंह, आनन्द सिंह, जीतेन्द्र गुप्ता, पारसनाथ यादव, दीपशिखा जायसवाल, अशोक कुमार, सौरभ, राहुल यादव,जसवेन्द्र, मोहित आदि उपस्थित रहे।

फाइबर ऑप्टिक्स, फोटोनिक्स की मदद से चलेगी ड्राइवर लेस कार

रोबोटिक्स आपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है फाइबर ऑप्टिक्स इलेक्ट्रानिक्स विभाग में शुरू हुई तीन दिवसीय कार्यशाला

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के फाइबर ऑप्टिक्स एवं फोटोनिक्स प्रयोगशाला में उपलब्ध सुविधाओं पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विभागीय शिक्षकों के इस दिशा में ज्ञानवर्धन शोध के लिए प्रेरित किये जाने एवं इस नई टेक्नोलॉजी की मदद से औद्योगिक विकास एवं औद्योगिक केन्द्रों से तादात्म्य स्थापित किए जाने हेतु किया जा रहा है। इस संदर्भ में यह उल्लेख किया जाना समाचीन होगा कि लगभग 2 वर्ष पूर्व जो एमओयू मेसर्स पेट्रासिस ग्लोबल मुंबई के साथ विश्वविद्यालय ने हस्ताक्षरित किया था। प्रबंध निदेशक डॉक्टर फिलिप बी. केसी इस कार्यशाला में कहा कि फाइबर ऑप्टिक्स एवं फोटोनिक्स की मदद से हम ड्राइवरलेस कार और रोबोट सर्जरी कर सकते हैं। इससे इंटरनेट 6 जी की स्पीड भी दस से 100 गुना बढ़ जाएगी। इस कारण हम विदेश में अच्छे डाक्टरों की मदद से रोबोट सर्जरी भी अच्छे ढंग से कर सकते हैं। स्पीड अधिक होगी तभी सेंसर के माध्यम से यह सब काम संभव है। इससे डाटा को कई गुना अधिक स्पीड से भेजा जा सकता है। यह तकनीक बार्डर पर तैनात सेवा के जवानों की सुरक्षा में कारगार साबित होगी। इस प्रणाली में बालों से भी पतले कांच के तंतुओं से गुजरने वाले प्रकाश तरंगों पर इंटरनेट सूचनाएं प्रेषित की जाती है। इसको ऑप्टिकल फाइबर संचार कहा जाता है। अब यह टेक्नोलॉजी व्यापक रूप धारण कर संचार के अतिरिक्त सेंसर, चिकित्सकीय अनाधिकृत गतिविधियों की जानकारी प्राप्त करने, औद्योगिक विकास इंफ्रास्ट्रक्चर के सुदृढ़ीकरण जैसे अनुप्रयोगों में योगदान दे रही है। विद्युत चुंबकीय, रेडियो फ्रीक्वेंसी, विद्युत स्थैतिकी हस्तक्षेपों, जमीनी वाइब्रेशन पनडुब्बी में उपयोग के लिए, किसी बिल्डिंग के वाइब्रेशन को नाप कर इसके दुष्प्रभावों को कम किया जाना है। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रवि प्रकाश ने अतिथि का स्वागत करते हुए उनका परिचय प्रस्तुत किया। कार्यशाला संयोजक प्रोफेसर बीबी तिवारी ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए रुचि के साथ छात्रों एवं शिक्षकों के प्रतिभाग करने पर बल दिया। कार्यशाला में कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह की प्रेरणा एवं सहयोग को प्रस्तुत किया गया। इस कार्यशाला में डॉ. दीपक सिंह, संतोष त्रिपाठी, डॉ. मोहम्मद अनीश, ज्योति प्रशांत सिंह, सुधीर सिंह, डॉ. अजय मौर्या, डॉ. पारुल त्रिवेदी, पूनम सोनकर, प्रीति शर्मा, विशाल यादव आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

घर– घर में होनी चाहिए ब्लड प्रेशर नापने की मशीन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इंडियन सोसायटी आफ हाइपरटेंशन के संयोजन में जैमिनी इंटरनेशनल होटल में वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे के अवसर पर सोसाइटी से जुड़े चिकित्सकों ने हाइपरटेंशन के प्रति उपस्थित लोगों को जागरूक किया। लोगों की जिज्ञासाओं को शांत किया, प्रश्नों के उत्तर दिए। इस मौके पर डॉ अनुज महेश्वरी, डॉक्टर नरसिंह वर्मा, डॉक्टर साजिद अंसारी सहित अन्य चिकित्सकों ने हाइपरटेंशन से बचाव के उपाय बताए तथा खानपान के उपाय को बताया और सुबह टहलने पर जोर दिया।

सेंट जोसेफ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, लखनऊ की पहल

मतदान प्रतिशत बढ़ाने की पहल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सेंट जोसेफ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, लखनऊ के प्रबंध निदेशक अनिल अग्रवाल ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने का निर्णय लिया। माता–पिता द्वारा मतदान करने पर बच्चों को अतिरिक्त 10 अंक मिलेंगे

21 मई 2024 को आम चुनाव के अगले दिन अभिभावक–शिक्षक बैठक बुलाई जाएगी और माता–पिता दोनों बैठक में उपस्थित होकर स्याही लगी हाथ की तर्जनी उंगली दिखाएंगे और उनके बच्चे को अतिरिक्त 10 अंक मिलेंगे।

कर्मचारियों को प्रोत्साहन

सेंट जोसेफ विद्यालय परिवार के कर्मचारियों को 2024 के आम चुनाव में अपने परिवार के साथ मतदान करने पर 1 दिन का अतिरिक्त वेतन मिलेगा।

पवन प्लाजा में फांसी पर लटकती मिली डांसर की पत्नी की लाश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लाइन बाजार थाना क्षेत्र पुराने स्टेट बैंक के पास स्थित पवन प्लाजा बिल्डिंग के तीसरे तल पर गुरुवार दोपहर एक महिला की फांसी पर लटकती लाश मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी तब हुई जब मृतिका का देवर कोई सामान लेने के लिए कमरे में पहुंचा तो दरवाजा अंदर से बंद था काफी खुलवाने पर नहीं खुला तो उसने आसपास के लोगों को सूचना दिया और दराज तरफ कर दिया तो महिला फांसी के फंदे पर लटक रही थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर रही है। फिलहाल घटना के कारण का पता नही चल पाया है। थाना क्षेत्र के पवन प्लाजा बिल्डिंग के तीसरे तल पर 2013 से कृष्णा मिश्रा जस्ट डांस फाउंडेशन के नाम से डांस क्लास चलते है तथा इसी भवन में रहते है । आज दोपहर में उनकी पत्नी खुशबू मिश्रा 24 वर्ष की फांसी पर लटकती हुई लाश मिली, यह जानकारी होते ही इस भवन में रहने वालों में हड़कंप मच गया, सूचना मिलते पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर रही है। इसकी शादी दिसम्बर 2020 में हुई थी।पुलिस की तफ्तीश के बाद ही खुशबू के मौत के रहस्य का पता चल पाएगा। मौके पर उपस्थित मृतका के पति कृष्णा पंडित ने बताया कि इधर कुछ दिनों से उसकी मानसिक हालत ठीक नहीं चल रही थी फिलहाल मौके पर पहुंची पुलिस विभिन्न पहलुओं से इस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है मायके वालों को सूचना दी दी गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायत नमक के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ब्रांड बनने के मूल्य पर कला से न करें समझौता – आचार्य जयकृष्ण अग्रवाल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। कलादीर्घा दृश्य कला पत्रिका एवं कला स्रोत कला वीथिका, लखनऊ द्वारा आयोजित वत्सल अखिल भारतीय चित्रकला प्रदर्शनी के चौथे दिन आज आचार्य जयकृष्ण अग्रवाल, पूर्व प्राचार्य, कला एवं शिल्प महाविद्यालय, लखनऊ अतिथि थे, जिनका स्वागत डॉ लीना मिश्र ने बाल वृक्ष प्रदान कर किया और आचार्य अग्रवाल ने कलाकारों से संवाद करते हुए कला के अनेक पक्षों पर अपनी राय रखी। प्रोफेसर अग्रवाल ने सहभागी कलाकारों एवं नगर के कला प्रेमियों से भारतीय कला की समकालीन प्रवृत्तियों एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहे कला प्रयोगों पर विधिवत बात की एवं अपनी कलाशिक्षा, अपने कला अध्यापन और कला अभ्यास पर चर्चा की और बताया कि तब और अब के कला मूल्य, शिक्षण पद्धति और संवेदनाओं में क्या परिवर्तन आया है। उन्होंने यह भी बताया कि कला शिक्षा को सामान्य शिक्षा जैसा न समझते हुए सरकार और कला संस्थानों को इस पर गंभीरता से विचार करते हुए वह स्वतंत्रता और सुविधा देनी चाहिए जो कला शिक्षा में आवश्यक होती है। इस अवसर पर प्रदर्शनी की क्यूरेटर डॉ लीना मिश्र, समन्वयक डॉ अनीता वर्मा एवं सुमित कुमार, वरिष्ठ कलाकार किरन राठौर, अजीत सिंह, सहभागी कलाकारों में डॉ अवधेश मिश्र, प्रशांत चौधरी, निधि चौबे, अनुराग गौतम, अवनीश भारती, एस के सौरभ, संध्या यादव, रणधीर, सौरवी सिंह, सुमित कश्यप, सपना यादव, दिशा मौर्य, कुलदीप,करुणा तिवारी,अर्पिता द्विवेदी आदि कलाकार उपस्थित थे।

जब तक मैं जिंदा हूं तब तक तुष्टिकरण करने वालो को राजनीति नहीं करने दूंगा - पीएम मोदी

एक तरफ मोदी संतुष्टीकरण से न्याय दिलाने पर लगा है। वहीं इंडी गठबंधन तुष्टिकरण से देश बांटने पर लगा है – पीएम मोदी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को जौनपुर दौरे पर थे। नगर के तिलकधारी महाविद्यालय में बने मंच पर पहुंचते ही उन्होंने सर्वप्रथम माता बहनों का अभिवादन स्वीकार किया मां से बोलते हुए उन्होंने भोजपुरी भाषा में माता शीतला चौकिया को सर्वप्रथम प्रणाम करने को प्रात अपना उद्बोधन शुरू किया। इस मौके पर उन्होंने जौनपुर लोकसभा एवम मछली शहर लोकसभा के भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर उन्होंने जनता से जीत का आश्वासन मांगा , इस दौरान उन्होंने लोगों को मोदी की गारंटी दी

पीएम मोदी ने कहा कि जब तक मैं जिंदा हूं तब तक तुष्टिकरण करने वालो को राजनीति नहीं करने दूंगा। ये कांग्रेस वाले एक एक्सरे मशीन लाए हैं, उससे सावधान रहने की जरूरत है। एक हफ्ते से देख रहा हूं उनका एक्सरे मशीन रिपेयरिंग में गया है। कांग्रेस ने कहा कि आपकी संपत्ति का एक्सरे करेंगे जो अधिक होगा उसे छीन लेंगे।

उन्होंने कहा कि मैं देश में 3 करोड़ लखपति दीदी बनाऊंगा। आप लोग जिसके घर जाइए उन्हें बताइए की मोदी ने गारंटी दी है कि जिसे भी घर नहीं मिला, गैस का कनेक्शन नहीं मिला राशन नही मिला जीतने का फिर सब मिलेगा। मैंने तय किया है कि आपके घर के बिजली के बिल भी जीरो करना है। यही नहीं आपके घर जो बिजली पैदा होगी उसे सरकार खरीद कर आपको पैसा देगी। मोदी की एक और गारंटी जो लोग 65 वर्ष के ऊपर आपके माता– पिता, चाचा–चाची दादा दादी सबके इलाज की चिंता आपका बेटा मोदी करेगा। एक तरफ मोदी संतुष्टीकरण से न्याय दिलाने पर लगा है। वहीं इंडी गठबंधन तुष्टिकरण से देश बांटने पर लगा है। जो मैं और योगी जी अपनी जिंदगी रहते ऐसा नहीं होने दूंगा उन्होंने मंच से योगी सरकार की भी जमकर तारीफ किया कहा यूपी में गुंडे माफियाओं और जमीन माफियाओं की कमर तोड़ दिया गया है।

शिक्षित व जागरूक मतदाता ही बदलेंगे देश की तस्वीर – अरुणिमा पाण्डेय

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोण्डा। देवीपाटन मंडल मुक्ति मोर्चा से समर्थित एवं गोण्डा कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र की प्रत्याशी अरुणिमा पाण्डेय ने गुरुवार को नगर में जनसंपर्क करते हुए कहा कि जागरूक शिक्षित व विचारवान बौद्धिक मतदाता ही देश को विकास के पथ पर अग्रसर कर राष्ट्र की तश्वीर बदल सकते हैं। आजादी के बाद नेताओं ने सत्ता में पहुंचने के लिए आम जनता को ठगने में कभी गुरेज नहीं किया। डीएमएम प्रत्याशी अरुणिमा ने नगर के खैरा कालोनी बड़गांव मालवीय नगर पटेल नगर व राधाकुंड मुहल्ले में सघन जनसंपर्क करते हुए महिलाओं व युवाओं में जोश भरते हुए कहा कि जागरूक मतदाता अपनी शक्ति का स्मरण करें और आने वाले मतदान दिवस में पोलिंग बूथ पर जाकर भ्रष्ट व मक्कार नेताओं को बाहर का रास्ता दिखा देंगे। उन्होंने कहा कि सामन्ती वर्ग के प्रत्याशी कभी बेरोजगारी व युवाओं की समस्याओं का समाधान नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि जनपद के युवा मतदाता शिक्षित होने के साथ अब जागरूक व विवेकशील हैं इसलिए जनपद को चारागाह समझकर बाहरी प्रत्याशी को जनता पर थोपने की साजिश कामयाब नहीं होगी। प्रत्याशी के प्रतिनिधि राजकुमार पाण्डेय ने मतदाताओं से रुबरु होते हुए डीएमएम प्रत्याशी अरुणिमा पाण्डेय के उच्च शिक्षा व लम्बे समय से की जा रही समाजसेवा का उल्लेख करते हुए उनके पक्ष में मतदान करने का अनुरोध किया। प्रत्याशी अरुणिमा पाण्डेय के प्रेम कुमार पाण्डेय, देवनाथ मिश्र , केदार नाथ मिश्र, राघवेन्द्र प्रताप, अखिलेश्वर पाठक, अरुण पाण्डेय, नवदीप पाण्डेय पंकज मिश्र, शैलेन्द्र आदर्श, शिवकुमार , कुसुम मिश्रा अंजली मिश्रा प्रभावती अंकिता आदि जनसंपर्क में सहभागी रहे।

फैशन टीवी की फ्रेंचाइजी के नाम पर व्यापरी से ठगी

अयान खान ड्रग्स मामले में फंसे काशिफ ने की जालसाजी , लखनऊ में व्यापार करने के नाम पर 56 लाख ऐंठे

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ के व्यापारी से फैशन टीवी के डायरेक्टर काशिफ खान ने फ्रेंचाइजी देने के नाम पर 50 लाख की ठगी की। आरोपी व्यापारी से सोशल मीडिया के जरिए संपर्क में आया। कंपनी ने पूरे लखनऊ में व्यापार करके 3 साल में 85 प्रतिशत लाभ दिलाने का लालच दिया। इसके बाद कई बार में करीब 50 लाख से ऐंठ लिए। जिसका एग्रीमेंट भी कराया। हालांकि बाद में मुकर गए और फ्रेंचाइजी देने से मना कर दिया। व्यापारी ने अपने पैसे वापस मांगे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देने लगे। जानकारी के मुताबिक शालीमार गैलेंट, गोमती नगर विस्तार के रहने वाले मनोज कुमार अग्रवाल पुत्र भीम राज अग्रवाल कारोबारी हैं। 2022 में सोशल मीडिया के जरिए उनकी मुलाकात फैशन टीवी के डायरेक्टर काशिफ खान से हुई। काशिफ खान ने लखनऊ में फैशन टीवी की फ्रेंचाइजी देने बात कही। उनसे कहा लखनऊ में उनके साथ मिलकर बिजनेस करेंगे इसके अलावा किसी और को फ्रेंचाइजी नहीं देंगे। इस बाद उनकी टीम के दुष्यंत सिंह, प्रियेश जैन, हार्दिक गौर ने इनसे मुलाकात की। कंपनी के बारे में पूरी डिटेल देकर अलग–अलग तारीख में 18 लाख 88 हजार लिए और एग्रीमेंट करा लिया। एग्रीमेंट में लिखा था कि लखनऊ में वो किसी अन्य के साथ व्यापार नहीं करेंगे। इसके बाद व्यापारी को झांसा दिया कि वो एक सैलून खोलना चाहते हैं। अगर पहले पेमेंट करा दिया तो लखनऊ में सैलून का व्यापार भी उनके अलावा किसी के पास नहीं रहेगा।

व्यापारी उनके झांसे में आकर अगस्त 2023 में 20 लाख 65 हजार रुपए चेक जरिए दे दिए। इसके बाद एक एग्रीमेंट भेजा जो लीगल नहीं था। इसका विरोध करने पर आगे अनुबंध बदलने की बात कही। कुछ दिन बाद व्यापारी को पता चला कि आरोपी किसी अन्य व्यक्ति से फ्रेंचाइजी को लेकर बातचीत कर रहे हैं। जिसके बाद मनोज ने ईमेल से जवाब मांगा तो सही जवाब मिला। काशिफ से संपर्क करने की कोशिश की तो नहीं हो पाई। जिसके बाद मनोज ने जालसाजों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई।

आरोपी काशिफ ड्रग्स मामले में भी फंस चुका

2021 में एनसीबी ने मुंबई की क्रूज पार्टी में शाहरूख खान के लड़के आर्यन खान पर कार्रवाई थी। जिसमें काशिफ खान का नाम सामने आया था। जिसके बाद मंत्री नवाब मलिक ने काशिफ के ऊपर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि खान ड्रग्स, सेक्स और पोर्न रैकेट चलाता है। काशिफ ने ही रेव पार्टी का आयोजन किया था।

गणेशगंज बाजार के अध्यक्ष ने अपना जन्मदिन मत दाता जागरूकता अभियान के रूप में समर्पित किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सर्व समाज उद्योग व्यापार मंडल की गणेशगंज इकाई के अध्यक्ष तसलीन कुरैशी गुड्डू ने अपना जन्मदिन पर मतदाता जागरूक अभियान के रूप में मनाया जिसमें संगठन के प्रदेश अध्यक्ष आसिम मार्शल वा महिला इकाई की अध्यक्ष ज्योति सिंह अग्रवाल जी ने गणेशगंज इकाई के तमाम व्यापारियों ने बाजार में जागरूकता रैली निकालकर व्यापारियों के साथ साथ लोगो को मतदान के लिए जागरूक किया।

आज के कार्यक्रम में महिलाओं का प्रतिनिधित्व ज्योति अग्रवाल ने अपनी महिला उद्यमी गीता प्रजापति नेहा गुप्ता नीलम रावत तनु वर्मा व प्रदेश अध्यक्ष आसिम मार्शल के साथ नगर

उपाध्यक्ष मोहम्मद शोएब नूरैन आलम अमीनाबाद से यूसुफ गणेशगंज के महामंत्री संजय चौरसिया कोषाध्यक्ष हरप्रीत सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष यश सिंह अज्जू कुरैशी अभय अग्रवाल मोहम्मद सईद उर्फ चाचा मारूफ गोपाल अग्रवाल शकीर राजू चोपड़ा के साथ तमाम गणेशगंज बाजार के व्यापारियों ने लोगों को रैली निकाल कर व पहले मतदान फिर जलपान और 20 मई को वोट करो के नारे लगाकर लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया।

प्रदेश अध्यक्ष ने अपने इकाई के अध्यक्ष को जन्मदिन पर मतदाता जागरूकता अभियान के लिए विशेष तौर पर बधाई दी और मतदान के दिन सभी व्यापारियों को लोगों को वोट डालने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया।

अब कानपुर के 10 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस व बम निरोधक दस्ता छानबीन में जुटा

कानपुर, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के आठ स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद कानपुर के भी 10 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। स्कूल प्रशासन को धमकी भरे ई–मेल मिलने से खलबली मच गई है। सोमवार को एक स्कूल को ईमेल पहुंचा जिसके बाद पूरे परिसर को बम निरोधक दस्ते से चेक कराया गया। इस बीच मंगलवार को नौ और स्कूलों को धमकी मिली है। डीसीपी साउथ रवींद्र कुमार ने बताया कि सोमवार को केडीएमए स्कूल को धमकी भरा ई–मेल आया था। इसकी जानकारी मिलते ही स्कूल परिसर की बम व डॉग स्क्वाड से जांच कराई गई। मंगलवार को गुलमोहर पब्लिक स्कूल में धमकी का ई–मेल आया है। बुधवार को स्कूल खुलने पर वहां की भी चेकिंग कराई जाएगी। डीसीपी सेंट्रल आरएस गौतम ने बताया कि कौशलपुरी के सनातन धर्म एजुकेशन सेंटर की प्रिंसिपल को भी धमकी भरा ई–मेल आया है। डीसीपी वेस्ट विजय ढुल ने बताया कि बिठूर क्षेत्र के चिंटल्स स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी का ई–मेल आया है। मामले की जांच कराई जा रही है। इसके अलावा शहर के छह और स्कूलों को धमकी भरा मेल आया है। अधिकारियों का कहना है कि सभी स्कूलों में बम निरोधक दस्ते भेजकर चेकिंग कराई जाएगी। साथ ही ईमेल भेजने वाले तक पहुंचने के लिए टीमें लग गई हैं।

अंग्रेजी में लिखी गई मेल में उर्दू शब्दों का इस्तेमाल

पुलिस सूत्रों के मुताबिक स्कूलों को धमकी भरा जो मेल आया है, वह अंग्रेजी भाषा है। इसमें कई उर्दू शब्दों को इस्तेमाल किया गया है। एक पुलिस अफसर ने बताया कि भारत से यदि कोई ई–मेल भेजा जाता है तो उसमें आईएन लिखा होता है लेकिन धमकी भरे ई–मेल में यूएन लिखा है। अब तक गाजियाबाद, नोएडा, लखनऊ समेत कई जिलों के स्कूलों व प्रतिष्ठानों में धमकी भरे ई–मेल आ चुके हैं।

पिता व चचेरे भाई ने मासूम से किया दुष्कर्म

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में महाराजपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में रिश्ते को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पिता व चचेरे भाई ने नाबालिग मासूम को हवस का शिकार बनाया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पीड़िता की तहरीर व बयान के आधार पर पिता व उसके चचेरे भाई के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, महाराजपुर क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली नाबालिग मासूम ने अपने पिता व चचेरे भाई पर दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए महाराजपुर पुलिस से शिकायत की। पीड़िता ने बताया कि वह पंद्रह साल की है। उसकी मां की मौत तीन साल पहले हो चुकी थी। बताया कि काफी समय से उसका पिता व चचेरा भाई शोषण कर रहा है। घटना की सूचना पर तत्काल पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बालिका का बयान दर्ज कर उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया है। पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

आरोपियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत

डीसीपी पूर्वी एसके सिंह ने बताया कि थाना महाराजपुर क्षेत्र की एक लड़की ने अपने पिता और चचेरे भाई पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। इसकी सूचना पर पुलिस द्वारा तत्काल संज्ञान लेकर मुकदमा पंजीकृत कर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। जांच के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

ट्रक ने छात्रा और फिर बाइक सवार महिला को रौंदा

मैनपुरी, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में ट्रक की रफ्तार ने छात्रा और एक महिला की जान ले ली। ट्रक ने पहले छात्रा को रौंदा और उसके बाद कुछ आगे चलकर बाइक सवार देवर–भाभी को कुचल दिया। हादसे में छात्रा और महिला की मौत हो गई। वहीं देवर की हालत गंभीर बनी हुई है। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं लोगों ने आरोपी ट्रक चालक को दबोच लिया, जिसे मौके पर पहुंची पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। थाना दन्नाहार क्षेत्र के गांव लालपुर सगोनी निवासी रागिनी राजपूत (18) आईटीआई की छात्रा थी। बुधवार की दोपहर वह साइकिल से आईटीआई आ रही थी, तभी एफसीआई गोदाम के पास पीछे से आ रहे ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में छात्रा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे की बाद ट्रक चालक ने गाड़ी को और तेज दौड़ा दिया। करहल चौराहा के पास एक बाइक सवार देवर–भाभी को टक्कर मार दी। हादसे में रमा चौहान (26) की घटनास्थल पर ही मौत हो गति। देवर संदीप घायल हो गया। मैनपुरी इटावा मार्ग पर ट्रक से दो हादसों के बाद जाम के हालत बन गए। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जाम को खुलवाकर मार्ग का आवागमन सुचारू कराया। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया है।

प्रेम–प्रसंग में मासूम की हत्या आठ वर्ष के बच्चे को गला दबाकर मारा

मेरठ, संवाददाता। मेरठ के टीपी नगर के मलियाना से वेदव्यास पुरी वाले मार्ग पर बुधवार सुबह आठ साल के बच्चे की हत्या करके शव प्लाट में फेंक दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पहचान शिव कुंज मलियाना निवासी वंशी पुत्र किशन के रूप में की। पुलिस ने शव को मोर्चरी भेज दिया है। शिव कुंज निवासी किशन के आठ वर्षीय बेटे वंशी का शव बुधवार सुबह एक खाली पड़े प्लॉट में मिला। लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल कर शक के आधार पर सुमित पुत्र जीतू निवासी शक्तिनगर मलियाना को हिरासत में लिया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि बच्चे की हत्या मारपीट कर व गला दबाकर की गई है। इसके बावजूद पुलिस ने मौत का कारण स्पष्ट करने के लिए शव को मोर्चरी भेज दिया है। थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह के अनुसार सुमित का मृतक बच्चे की बहन से प्रेम प्रसंग चल रहा है कुछ दिनों पहले सुमित बच्चे की बहन को लेकर भी चला गया था। अन्य बिंदुओं पर भी पुलिस जांच कर रही है।

पत्नी ने कहे ऐसे शब्द...बर्दाश्त न कर सका पति, जहर खाकर दे दी जान

फिरोजाबाद, संवाददाता। शिकोहाबाद में पत्नी से विवाद के बाद पति ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। उपचार के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज फिरोजाबाद भेजा है। थाना पचोखरा क्षेत्र के अंतर्गत सलेमपुर निवासी धर्मेंद्र जाटव (27) का विवाह थाना शिकोहाबाद क्षेत्र के अंतर्गत नगला हैंडल से कुछ वर्ष पूर्व हुआ था। उसके दो बच्चे हैं। पुलिस के अनुसार वह शराब पीने का आदी था। कुछ दिनों पूर्व उसका पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद उसकी पत्नी नगला हैंडल स्थित अपने मायके चली आई थीं। धर्मेंद्र शिकोहाबाद क्षेत्र के अमृतनगर में टाइल्स लगाने का काम कर रहा था। सोमवार शाम उसने विषाक्त पदार्थ खाने के बाद रामलीला ग्राउंड से अपने एक रिश्तेदार को फोन किया। इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। कुछ देर बाद रामलीला ग्राउंड पहुंचे रिश्तेदार ने उसे उपचार के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान धर्मेंद्र ने दम तोड़ दिया। इस घटना से मृतक के परिजन में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज फिरोजाबाद भेज दिया। इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह का कहना है कि मृतक का पत्नी से विवाद चल रहा था। उसने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है।

निगम में लागू होगी ई–आफिस प्रणाली, शुरू हुआ प्रशिक्षण

सहारनपुर, संवाददाता। नगर निगम सहारनपुर ने ई–ऑफिस प्रणाली लागू करने की कवायद शुरू कर दी है। इसके लिए मंगलवार को नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। आईसीसीसी (इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर) में यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन लिमिटेड के ई–ऑफिस कंसलटेंट सुधीर यादव ने प्रशिक्षण दिया। प्रदेश के सचिवालय व सभी सरकारी कार्यालयों में ई–ऑफिस प्रणाली लागू करने के लिए प्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2018 में शासनादेश जारी किया गया था। उसके बाद जुलाई 2023 में भी शासन द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किया गया। इसके अनुपालन में नगर निगम द्वारा कई दिनों से इस दिशा में कार्य किया जा रहा है। आईटी अधिकारी मोहित तलवार ने बताया कि ई–प्रणाली में निगम के सभी डेटा को स्कैन किया जाएगा। सभी विभागाध्यक्ष के पास एक कोड वर्ड भी होगा। प्रशिक्षण के दौरान उक्त अधिकारियों व पटल सहायकों को डाक प्रणाली का प्रशिक्षण दिया गया। विभाग की फाइल मूवमेंट, ड्राफ्टिंग, साइड नोटिंग आदि कैसे किया जाएगा, इसके बारे में बताया गया। आईटी अधिकारी ने बताया कि कोई भी अधिकारी या पटल सहायक जब भी किसी फाइल को चलाएगा तो उसके डिजिटल सिग्नेचर, दिनांक व समय उस पर अंकित हो जाएगा।

मायावती बोलीं– नहीं भरा गया नौकरियों में आरक्षण का कोटा

बांदा, संवाददाता। बांदा जिले में अतर्रा के हिंदू इंटर कॉलेज में चुनावी जनसभा में पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने केंद्र व प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियों में आरक्षण का कोटा अभी तक नहीं भरा गया है। इसी तरह अखिलेश यादव भी दलित, अति पिछड़ों और आदिवासियों के खिलाफ हैं। मोदी पर कटाक्ष करते हुए कि वह सिर्फ पूंजीपतियों को ही मालामाल कर रहे हैं, गरीबों की उनको कोई फिक्र नहीं है। जनता को मुफ्त राशन देकर आरएसएस वाले नमक खाने का हवाला देते हुए लोगों पर भाजपा को ही वोट देने का दबाव बना रहे हैं। कहा कि कांग्रेस की तरह भाजपा ने जांच एजेंसियों का राजनीतिकरण कर दिया है। उन्होंने भाजपा और इंडिया गठबंधन के घोषणा पत्र को हवा–हवाई बताते हुए कहा कि बहुजन समाज पार्टी इसी वजह से घोषणा पत्र नहीं बनाती, पार्टी जो कहती है वह करती है। एक अकेले बसपा को छोड़ सभी दलों ने करोड़ों रुपये का चंदा पूंजीपतियों से वसूला है। ऐसा सुप्रीम कोर्ट की रिपोर्ट से स्पष्ट है। यदि बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनी, तो युवाओं को नौकरी मिलेगी और मुस्लिमों का उत्पीड़न तो रुकेगा ही साथ–साथ जिस तरह पार्टी ने प्रदेश का विकास किया था।

रिटायर्ड दरोगा पर घर में घुसकर किशोरी से दुष्कर्म के प्रयास का आरोप

शामली, संवाददाता। शामली में बाबरी थाना क्षेत्र के एक गांव में रिटायर्ड दरोगा पर घर में घुसकर किशोरी से दुष्कर्म के प्रयास का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के विरुद्ध छेड़छाड़ व एससीएसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। बाबरी थाने पर बुधवार सुबह एक गांव निवासी किशोरी के साथ परिजन पहुंचे। किशोरी की तरफ से थाना प्रभारी को तहरीर देते हुए आरोप लगाया कि किशोरी सुबह करीब पांच बजे अपने घर में कपड़ों पर प्रेस कर रही थी। उसी समय गांव निवासी रिटायर्ड दरोगा जयप्रकाश घर पहुंचा। किशोरी ने बताया कि रिटायर्ड दरोगा ने उसके माता–पिता व भाई के बारे में पूछा।

उसने उन्हें भट्टे पर जाना बताया तो आरोपी ने दरवाजे की कुंडी और लाइट बंद कर बदनीयती से पकड़ लिया। उसने शोर मचाकर छत पर झाडू लगा रही अपनी छोटी बहन को अपनी दादी को आवाज लगाने को कहा। शोर होने पर आरोपी उसकी दादी के पास ही भागते हुए पहुंचा और माफी मांगने लगा। वहीं, कुछ देर बाद उसका भाई भी घर पहुंचा और घटना का विरोध किया तो आरोपी उसकी दादी व भाई के साथ गाली–गलौज करते हुए धक्का देकर फरार हो गया। बाबरी थाना प्रभारी राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ एससी एसटी एक्ट का मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। उधर, आरोपी रिटायर्ड दरोगा जयप्रकाश का कहना है कि किशोरी के पिता पर 2.30 लाख रुपये लेनदेन के है। उसने मंगलवार शाम रुपये देने का वादा किया था, लेकिन शाम को भट्टे से देर से आने के चलते वह सुबह गया था। किशोरी व उसके परिजनों द्वारा लगाए गए आरोप बेबुनियाद है।

शादी से इनकार करने पर वर समेत चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

बांदा, संवाददाता। बांदा जिले के अतर्रा में बहाना बनाकर शादी से इनकार किए जाने पर लड़की पक्ष से भाई ने बिसंडा थाने में वर सहित उसके माता, पिता व भाई के खिलाफ दहेज अधिनियम में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बिसंडा थाना क्षेत्र के ओरन गांव निवासी एक युवक ने बिसंडा थाने में दी तहरीर में बताया कि उसकी बहन की शादी बांदा के कालूकुआं विश्व विहार कॉलोनी निवासी योगेंद्र उर्फ राजुल के साथ तय हुई थी। दोनों पक्षों की बात के अनुसार इस साल की दो मार्च को शादी होनी थी।

एडी हेल्थ को जिला अस्पताल में छह चिकित्सक मिले नदारद

शामली, संवाददाता। सहारनपुर से अपर निदेशक स्वास्थ्य डॉ. गिरीशचंद नौगाई जिला अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे। उस समय तक ओपीडी में छह चिकित्सक नदारद थे। हालांकि उन्होंने ओपीडी का निरीक्षण नहीं किया, लेकिन उनके आने की जानकारी मिलने पर आनन फानन में चिकित्सक पहुंचे और हाजिरी लगाई। उधर, ओपीडी में मरीजों की लंबी लाइन लगी रही। एडी हेल्थ ने वाटर कूलर के पास गंदगी मिलने पर नाराजगी जताते हुए साफ–सफाई रखने के निर्देश दिए। मंगलवार को एडी हेल्थ सुबह नौ बजे जिला अस्पताल पहुंचे। उस समय तक ओपीडी में वरिष्ठ चिकित्सक अशोक कुमार, डॉ. दक्षिरा, डॉ. अशोक, डॉ. समद अली ही मौजूद थे। एडी हेल्थ के जिला अस्पताल पहुंचने की जानकारी मिलने पर अन्य करीब छह चिकित्सक आनन फानन में पहुंचे और रजिस्टर में अपनी हाजिरी लगाई। एडी हेल्थ ने वाटर कूलर के पास गंदगी मिलने पर नाराजगी जताई और बेहतर साफ–सफाई के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने सीएमएस कार्यालय में जिला अस्पताल में उपलब्ध संसाधन और चिकित्सकों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सीएमओ कार्यालय का भी निरीक्षण किया। एडी हेल्थ को बताया गया कि उनके यहां पर विशेषज्ञ चिकित्सकों के कई पर रिक्त चल रहे हैं। इसके अलावा स्टाफ की नियुक्ति नहीं होने से ब्लड बैंक शुरू नहीं हुआ है। इसके अलावा अन्य जो भी संसाधनों और स्टाफ की जरूरत है,उन्हें अवगत कराया गया है। एडी हेल्थ इसकी रिपोर्ट शासन को भेजेंगे। सीएमएस ने बताया कि कोई चिकित्सक छुट्टी पर नहीं था, लेकिन कई चिकित्सक थोड़ा देर से पहुंचे थे, उन्हें समय पर आने के लिए कहा गया है।

पीड़ित को चौकी में बंद कर पीटा, आक्रोशित ग्रामीणों का हंगामा

कानपुर, संवाददाता। कानपुर के सचेंडी थाना क्षेत्र में पीड़ित को चौकी में बंद को कर पीटने के आरोप पर ग्रामीणों ने पुलिस चौकी पर जमकर हंगामा किया। हंगामा देख पुलिसकर्मी चौकी में ताला लगाकर खिसक गए। सोना गांव निवासी रोहित गुप्ता की भीमसेन में मिठाई की दुकान है। वहां पर भीमसेन निवासी मुन्ना मिश्रा उर्फ रवि कि मंगलवार शाम को पहुंचा और नशेबाजी करने लगा।

इसका विरोध करने पर मुन्ना गाली गलौज के साथ–साथ मारपीट करने लगा। इसकी शिकायत लेकर रोहित भीमसेन पुलिस चौकी पहुंचा। आरोप है कि वहां चार पर तैनात चौकी प्रभारी व सिपाहियों ने रोहित को ही चौकी में बंद कर पीट दिया।

दुष्कर्म का फरार आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

हमीरपुर, संवाददाता। हमीरपुर जिले के भरुआ सुमेरपुर में खेतों में पिता को खाना देने जा रही किशोरी के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। आरोपी ने बांदा मार्ग पर बरगदिया मोड़ के पास से पुलिस पर फायर किया था। इसके जवाब में पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया है। आरोपी के बाएं पैर में गोली लगी है। बीते नौ मई को एक गांव की एक किशोरी खेतों में बने नलकूप में पिता को दोपहर में खाना देने जा रही थी। तभी रास्ते में एक युवक ने रास्ते में दबोच कर मारा–पीटा की और दुष्कर्म के बाद फरार हो गया था। किशोरी के पिता ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। तभी से पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी। बुधवार को टेढ़ा मार्ग में दोपहर करीब 1.30 बजे बरगदिया मोड़ के पास मौजूद था। मुखबिर की सूचना पर थानाध्यक्ष राकेश कुमार, कस्बा इंचार्ज राहुल मिश्रा, मुख्य आरक्षी आरिफ खान, आरक्षी अमित कुमार आदि के साथ मौके पर पहुंचे। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस को आता देखकर आरोपी ने तमंचे से पुलिस पर फायर झोंक दिया। जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। एक गोली आरोपी के बाएं पैर में टांग के नीचे लगी है। घायल होने पर पुलिस ने उसे दबोच लिया। थानाध्यक्ष ने बताया गिरफ्तार आरोपी ने अपना नाम अभिषेक सचान निवासी पौथिया थाना ललपुरा बताया। आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने किशोरी के साथ दुष्कर्म की घटना अंजाम दिया था। पुलिस ने घायल आरोपी को इलाज के लिए पीएचसी सुमेरपुर में भर्ती कराया है।

बेटी की लाश देख उड़े परिजनों के होश

मेरठ, संवाददाता। मेरठ के हस्तिनापुर में कस्बे की मनोहरपुर कॉलोनी में बुधवार को संदिग्ध परिस्थितियों में एक 22 वर्षीय युवती ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर, आसपास के लोगों ने बताया कि युवती के परिजन मजदूरी करने के लिए बाहर गए हुए थे, इसी दौरान उसने अपने घर में लगे पंखे में दुपट्टा डालकर फांसी लगा ली। वहीं, परिजन जंगल से वापस लौटे तो दरवाजा बंद देखकर वह घबरा गए। काफी आवाज लगाने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद परिजनों ने थाना पुलिस को सूचना दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घर का दरवाजा तोड़ा तो युवती को पंखे पर फांसी के फंदे पर लटका देख सभी के होश उड़ गए। वहीं, पुलिस को युवती के पास एक सुसाइड नोट मिला है। जिसमें उसने अपनी मौत का आरोप एक युवक पर लगाया है। पुलिस मामले को प्रेम–प्रसंग से जोड़कर चल रही है और सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उधर, युवती की मौत से परिवार में कोहराम मचा है।

विद्युत कनेक्शन न देने पर ग्रामीण ने डीएम कार्यालय पर किया आत्मदाह का प्रयास, जेई पर गंभीर आरोप

सहारनपुर, संवाददाता। सहारनपुर शहर से सटे गांव शेखपुरा कदीम के ग्रामीण ने जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर केरोसिन डालकर आत्मदाह की कोशिश की। पुलिस ने ग्रामीण को बचाया। ग्रामीण का आरोप है कि शेखपुरा कदीम बिजली घर पर तैनात जेई ने 20 हजार रुपये सुविधा शुल्क लेने के बाद भी उसे घरेलू विद्युत कनेक्शन नहीं दिया। पीड़ित की बात सुनकर अपर उप जिलाधिकारी ने तत्काल प्रभाव से ग्रामीण को कनेक्शन देने के साथ जेई के खिलाफ जांच के निर्देश दिए। देहात कोतवाली क्षेत्र के गांव शेखपुरा कदीम के उन्नति विहार निवासी राधेश्याम बुधवार की दोपहर केरोसिन की बोतल लेकर कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंचा। इसी बीच देहात कोतवाली की चौकी शेखपुरा इंचार्ज भी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। राधेश्याम ने आत्मदाह की कोशिश की, जिससे पुलिस ने केरोसिन की बोतल छीन ली। राधेश्याम ने आरोप लगाया कि उसने ऑनलाइन आवेदन करने के साथ ही घरेलू विद्युत कनेक्शन लेने के लिए सभी दस्तावेज पूरे कर शेखपुरा कदीम बिजली घर पर जमा करा दिए थे, लेकिन जेई ने उन्हें बिजली का कनेक्शन देने से मना कर दिया। जेई ने इसकी एवज में 20 हजार रुपये की मांग की। राधेश्याम का कहना है कि उसने जेई को 20 हजार रुपये भी दे दिए, लेकिन फिर भी जेई ने उन्हें विद्युत कनेक्शन नहीं दिया। इस कारण वह मानसिक रूप से प्रताड़ित हो गया। उसका परिवार भीषण गर्मी में बिना बिजली के दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिलाधिकारी की अनुपस्थिति में अपर जिलाधिकारी सुरेंद्र यादव ने ग्रामीण का शिकायती पत्र लिया। इसके साथ ही विद्युत निगम के अधिकारियों से वार्ता कर तत्काल बिजली कनेक्शन देने के निर्देश दिए। इसके साथ ही जेई के खिलाफ जांच कर कार्रवाई के लिए कहा।

मेडिकल की इमरजेंसी में खून से लथपथ तड़पता रहा मरीज, लापरवाही पर कार्रवाई तय

मेरठ, संवाददाता। मेरठ के एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में खून से लथपथ हालत में फर्श पर गिरे मिले सूरज के मामले में लापरवाही करने वालों पर कार्रवाई होना तय है। मंगलवार को सीएमओ डॉ. अखिलेश मोहन ने अपने कार्यालय में और प्राचार्य डॉ. आरसी गुप्ता ने मेडिकल कॉलेज में इमरजेंसी के चिकित्सकों के साथ बैठक की। गंभीरता से ड्यूटी करने के निर्देश दिए। साथ ही लापरवाही करने वालों पर कार्रवाई की बात भी कही। इस मामले में 3 सदस्य चिकित्सकों की टीम जांच कर रही है, जो 3 दिन में रिपोर्ट देगी। दूसरी तरफ, सूरज की हालत स्थिर है। वह न्यूरो सर्जरी विभाग में बेड नंबर–34 पर भर्ती है। इलाज न्यूरो सर्जरी विभाग के डॉ. दिनेश सिंह कर रहे हैं। वह अपने बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता पा रहा है। उसके परिवार से भी कोई मेडिकल नहीं पहुंचा है।

यह है मामला

सोमवार को सोशल मीडिया पर दो वीडियो वायरल हुए थे। इनमें दिख रहा था कि एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में खून से लथपथ हालत में फर्श पर एक युवक गिरा हुआ था। उसकी कोई सुध नहीं ले रहा था। उसके शरीर से खून रिस रहा था और कपड़े भी रक्तरंजित थे।वीडियो को सूबे के उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक को टैग किया गया था। इससे हड़कंप मच गया था। जिलाधिकारी ने तत्काल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य से रिपोर्ट तलब की थी। साथ ही प्राचार्य ने तीन सदस्यीय कमेटी की गठन किया है, जो तीन दिन के भीतर इस संबंध में रिपोर्ट देगा कि इलाज में लापरवाही क्यों की गई। घायल ने अपना नाम सूरज पुत्र संग्राम निवासी अशोकपुरी, उम्र लगभग उम्र 30 वर्ष बताया था। उसके सिर और चेहरे पर चोट लगने के कारण पीएल शर्मा जिला अस्पताल से रेफर होकर रविवार रात 10:32 बजे मेडिकल के आपातकालीन विभाग में भर्ती किया गया था।

प्रमुख अधीक्षक डॉ. धीरज बालियान ने बताया कि सूरज को सर्जरी विभाग के डॉ. नितिन चौधरी के अधीन भर्ती किया गया था। उसे तत्काल से देखा गया और प्राथमिक उपचार शुरू किया गया, लेकिन मरीज सिर में चोट होने के कारण बेड से उतर कर भागने के प्रयास में गिर गया। यह वीडियो इसी समय किसी ने बना लिया। युवक को फिर से बेड पर लिटाया गया। कर्मचारियों की मदद से सिर का सीटीस्कैन कराया गया, जिसमें सिर में खून के थक्के पाए गए। मरीज को न्यूरो सर्जन, डेंटल सर्जन, नेत्र विभाग और नाक–कान–गला (ईएनटी) सर्जन को भी दिखाया गया।

यह समिति कर रही जांच

प्राचार्य डॉ. आरसी गुप्ता ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए विभागाध्यक्ष इमरजेंसी विभाग डॉ. वैभव तिवारी, सहायक आचार्य सर्जरी डॉ. संदीप मालयान और चिकित्सा अधीक्षक की जांच समिति बनाई गई है। तीन दिनों के अन्दर समिति को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। एक तरफ मेडिकल के चिकित्सीय स्टाफ पर घायल के इलाज में लापरवाही का आरोप लग रहा है तो दूसरी तरफ चार छात्रों ने मानवता शाबाश! छात्रों ने पेश की मानवता की मिसाल पेश की है। ये चारों दोस्त ही सड़क पर पड़े घायल सूरज को ई–रिक्शा में अस्पताल लेकर पहुंचे थे। इतना ही नहीं, अब ये अशोकपुरी में सूरज के परिवार को भी तलाश कर रहे हैं। ये छात्र हैं, उमंग, परमजीत, नवनीत और रमनजीत। मवाना स्थित एफआईटी कॉलेज से बीसीए कर रहे हैं। परमजीत बीए, रमनजीत ने आईटीआई किया है और नवनीत ने 12वीं की है। उमंग ने बताया कि रविवार रात करीब साढ़े आठ बजे थे। वे दोस्त दो स्कूटी से गंगानगर से घर कासमपुर जा रहे थे। माल रोड पर उन्होंने रास्ते में एक युवक जख्मी हालत में सड़क पर तड़प रहे है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वत्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।